अजमेर, सीकर, झुंझुनूं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

विज्ञापन के लिऐ : 9314505000 लॉग ऑन करें: www.chamaktarajasthan.com

RNI No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

चमकता राजस्थान

Email- chamaktarajasthan8789@gmail.com जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2022-23

जयपुर, सोमवार, 14 अगस्त 2023 वर्ष : 14 अंक : 01 पृष्ठ : 8 दैनिक प्रातः कालीन मूल्य : 1 रूपया

आदिवासी देश के असली हकदार, उन्हें जंगल-जमीन पर हक मिलना चाहिए, लेकिन दूसरी विचारधारा ऐसा नहीं चाहती : राहुल

वायनाड, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वायनाड दौरे का आज दूसरा दिन है। उन्होंने डॉ. अंबेडकर डिस्ट्रिक्ट मेमोरियल कैंसर सेंटर में पावर फैसिलिटी का उद्घाटन किया। इसके लिए उन्होंने सांसद निधि से 50 लाख रुपए भी दिए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि उम्मीद है यह नई लाइन बिजली कटौती की परेशानी को खत्म कर देगी।

लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश में इस वक्त दो विचारधाराओं के बीच में जंग छिड़ी हुई है। हम आपको आदिवासी मानते हैं, यानी इस देश के असली हकदार। वहीं, दूसरी विचारधारा कहती है कि आप आदिवासी नहीं, वनवासी हैं। वे लोग आपको देश का असली स्वामी नहीं मानते।

राहुल बोले, कुछ दिन पहले मेरी राजस्थान में बड़ी बैठक हुई थी, जहां मैंने आदिवासी समुदाय से बात की। मैंने उनसे उन दो विचारधाराओं के बारे में बात की, जो इस वक्त देश में एक-दूसरे के खिलाफ लड़ाई लड़ रही हैं। एक शब्द होता है, आदिवासी जिसका मतलब है जमीन का असली स्वामी। आदिवासी का मतलब है इस पृथ्वी, इस धरती को लेकर एक बुद्धिमत्ता, एक समझ। जिस ग्रह पर हम रहते हें उसके साथ एक खास रिश्ता। हमारे आदिवासी भाई-बहन इस देश के असली स्वामी हैं। हमारा मानना है कि आपको ये सोचने और तय

करने की आजादी मिलनी चाहिए कि आप क्या करना चाहते हैं। इस जमीन के असली मालिकों के तौर पर आपको ये हक होना चाहिए कि आपके बच्चे भी अच्छे कॉलेजों में इंजीनियरिंग पढ़ सकें, डॉक्टर और इंजीनियर बन सकें, बिजनेस शुरू कर सकें, कंप्यूटर सीख सकें। साथ ही आपको जमीन और जंगल पर हक मिलना चाहिए। जंगल की जो उपज होती है उस पर अधिकार मिलना चाहिए। आपको किसी एक कैटेगरी में बांधकर नहीं रखना चाहिए। ये पूरी पृथ्वी आपकी पहुंच में होनी चाहिए। आपको सभी अवसर मिलने चाहिए। वहीं, दूसरी तरफ जो दूसरी विचारधारा है वो आदिवासी नहीं, वनवासी कहकर आपको बुलाती है। वनवासी शब्द के पीछे बड़ा खराब लॉजिक है। ये शब्द वनवासी इस बात से इनकार करता है कि आप इस देश के असली हकदार हैं। वनवासी शब्द आपको जंगलों तक सीमित करता है। इसके पीछे की भावना ये है कि आप जंगलों के रहने वाले हैं, आपको जंगलों में ही रहना चाहिए। ये शब्द आपके इतिहास, आपके रीति-रिवाजों को खंडित करता है। ये आपके और इस देश के बीच रिश्ते पर एक हमला है। इसलिए हम इसका विरोध करते हैं। आप आदिवासी हैं और हम आपसे सीख सकते हैं। मौजूदा समय में पर्यावरण शब्द फैशन में आ गया है। कुछ सौ सालों से मॉडर्न सोसाइटी पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रही है। जंगल जलाए जा रहे हैं, प्रदूषण फैल रहा है। अब अचानक से पर्यावरण संरक्षण की बातें होने लगी हैं। यहां पर आदिवासियों की समझदारी को देखना चाहिए। वे पिछले 5 हजार साल से पर्यावरण संरक्षण की बात करते आ रहे हैं। हम आपके इतिहास, आपके रीति-रिवाज, आपके जिंदगी जीने के तरीके से बहुत कुछ सीख सकते हैं। न सिर्फ पर्यावरण के बारे में, बल्कि एक-दूसरे से कैसे रिश्ते बनाए रखने हैं, ये भी। इसके साथ ही आपके बच्चों को सबसे बेहतर पढ़ाई, सबसे बेहतर चिकित्सा, सबसे अच्छी नौकरियां मिलनी चाहिए। इसके लिए हम हमेशा आपके लिए मौजूद हैं। आपके साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं। वायनाड आकर मुझे बहुत खुशी होती है। यहां के लोग चाहे किसी भी पार्टी को सपोर्ट करते हों, मेरा उनके साथ एक रिश्ता है। लेफ्ट के साथ हमारा वैचारिक मतभेद तो है, लेकिन इसके बावजूद जब मैं संसद से डिस्क्वॉलिफाई हुआ तो पूरे वायनाड के लोगों ने मेरा साथ दिया।

मैं वायनाड के सभी लोगों को अपने परिवार का हिस्सा मानता हूं।

मुझे बताया गया कि अस्पताल में बिजली कटौती होती थी, जिससे मरीजों और डॉक्टरों को असुविधा होती थी। मुझे उम्मीद है कि यह नई बिजली लाइन इस समस्या को खत्म कर देगी। इसे संभव बनाने के लिए सांसद निधि से 50 लाख का योगदान देकर मुझे खुशी हो रही है।

देश के लिए मर नहीं सकते, लेकिन देश के लिए जीने से कोई नहीं रोक सकता :अमित शाह

अहमदाबाद, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अमित शाह दो दिनों के गुजरात दौरे पर हैं। दूसरे दिन रविवार को अमित शाह ने अहमदाबाद में तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के 75 साल हो गए। हम देश के लिए मर तो नहीं सकते, क्योंकि देश आजाद हो गया है। लेकिन हमें देश के लिए जीने से कोई नहीं रोक सकता। आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में तिरंगा फहरा कर रैली की शुरूआत की। रैली के दौरान देशभक्ति के रंग बिखरे तो वहीं हर हाथ में तिरंगा नजर आया। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सारे देश के अंदर देशभक्ति का ज्वार खड़ा करने का काम किया है। साथ ही हर घर तिरंगा अभियान को लेकर लोगों से अपील भी की।

15 अगस्त समाप्त होगा आज़ादी का अमृत महोत्सव : अहमदाबाद में हर घर तिरंगा अभियान को हरी झंडी दिखाने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान पीएम मोदी ने पूरे देश में देशभक्ति की भावना पैदा की है। 15 अगस्त 2023 को आज़ादी का अमृत महोत्सव समाप्त होगा लेकिन इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने कहा है कि 15 अगस्त 2023 से 15 अगस्त 1947 से तक आज़ादी का अमृत काल मनाया जाएगा। अमित शाह ने गुजरात दौरे के पहले दिन शनिवार को भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर कच्छ के %हरामी% नाला का दौरा किया।

एयरफोर्स ने 68 हजार जवानों को लद्दाख पहुंचाया: 90 टैंक भी एयरलिफ्ट किए

फाइटर प्लेन की स्क्वॉड्रन तैयार; गलवान जैसी झड़प से बचने की तैयारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत ने लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 68 हजार से ज्यादा जवानों को तैनात किया है। इसके अलावा एयरफोर्स की मदद से करीब 90 टैंकों और वेपन सिस्टम्स को भी लद्दाख ले जाया गया। सुखोई Su-30 MKI और जगुआर जैसे प्लेन्स से दुश्मन के जमावड़े पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही थी। रक्षा और सुरक्षा प्रतिष्ठान के शीर्ष सूत्रों ने यह जानकारी दी है। लद्दाख की गलवान घाटी में 15 जून 2020 को चीनी सैनिकों के साथ भारतीय जवानों की झड़प हुई थी।

सैनिकों और हथियारों को बहुत कम समय में बॉर्डर ले जाया गया था : सूत्रों ने कहा कि भारतीय एयरफोर्स के परिवहन बेड़े ने एक विशेष अभियान के तहत एलएसी के साथ विभिन्न दुर्गम क्षेत्रों में तुरंत तैनाती के लिए सैनिकों और हथियारों को बहुत कम समय के भीतर पहुंचाया था। इनमें सी-130जे सुपर हरक्यूलिस और सी-17 ग्लोबमास्टर विमान शामिल थे। कुल 9,000 टन भार ढोया गया था। सूत्रों ने यह भी बताया कि पिछले कुछ सालों में एयरफोर्स की स्ट्रैटजिक एयरलिफ्ट क्षमता बढ़ी है। बढ़ते तनाव को देखते हुए भारतीय वायुसेना ने चीनी गतिविधियों पर पैनी नजर रखने के लिए क्षेत्र में बड़ी संख्या में दूर से संचालित विमानभी तैनात किए थे।

प्लेन से रख रहे थे सटीक निगरानी : न्यूज एजेंसी पीटीआई ने रक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि विमानों से निगरानी की सीमा लगभग 50 किमी थी। सेना ने सुनिश्चित किया कि चीनी सैनिकों की स्थिति और गतिविधियों पर सटीक निगरानी रखी जाए। खुफिया जानकारी भी लगातार इकट्ठा की जा रही थी। इसके अलावा फाइटर प्लेन्स की कई स्क्वाड्रन आक्रामक मुद्रा में आ गए थे।

330 बीएमपी पैदल सेना के लड़ाकू वाहन, रडार सिस्टम, तोपखाने, बंदूकें और कई अन्य उपकरण भी लद्दाख ले जाए गए थे। गलवान झड़प के बाद लद्दाख में सुखोई Su-30 MKI और जगुआर जैसे प्लेन्स से एलएसी पर दुश्मन के जमावड़े पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही थी।

भारत के सीमावर्ती इलाकों में ये कदम उठाए : दिसंबर 2001 में संसद पर आतंकी हमले के बाद भारत ने %ऑपरेशन पराक्रम% शुरू किया था, जिसके तहत उसने नियंत्रण रेखा पर भारी संख्या में सैनिक भेजे थे।

गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद से सेना ने भी अपनी लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इसने पहले ही अरुणाचल प्रदेश में एलएसी के साथ पहाड़ी क्षेत्रों में आसानी से परिवहन योग्य एम-777 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर तोपों की तैनाती की है।

एम-777 को चिनूक हेलिकॉप्टरों में शीघ्रता से ले जाया जा सकता है और सेना के पास अब परिचालन आवश्यकताओं के आधार पर उन्हें जल्द से जल्द से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने की सुविधा है।

कावड़ यात्रा में रणजीत सिंह सोडाला हुए शामिल!

चमकता राजस्थान

पवित्र गलता तीर्थ से पेट्रोल पंप वाले हनुमान जी महाराज तक पवित्र सावन मास में भव्य कावड़ यात्रा निकाली गई जिसमें मातृशक्ति भव्य कलश यात्रा के रुप में बड़ागांव सुशीलपुरा जागेश्वर महादेव मंदिर में शामिल होकर पहुंची ,सभी ग्राम वासियों के सहयोग से कावड़ यात्रा में विशेष झांकियां का आयोजन भी रखा गया, जिसमें मुख्यतः भगवान "भोलेनाथ की अघोरी झांकी" "घोड़े" "ऊंट" अनेक प्रकार की झांकियां थी,जिसमें सभी बड़ागांव सुशीलपुरा ग्राम वासियों ने इस यात्रा मैं उपस्थित होकर कांवड़ियों ,मातृशक्ति का उत्साह बढ़ाया ,स्वागत किया इस अवसर पर सभी ग्रामवासी ने सभी कावड़ियों,मातृशक्ति का उत्साह वर्धन किया,कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति सदस्य रणजीत सिंह सोडाला ,पार्षद नगर निगम हैरिटेज वार्ड 45 , पार्षद प्रत्याशी अमृता शर्मा , दिपेश शर्मा , शैम्पी शर्मा के व पेट्रोल पंप वाले बालाजी सेवा समिति से दिलीप डाबी ,सतीश डाबी दीपक सैनी,अनंत महाराज,पुष्पेंद्र शर्मा , व सुशीलपुरा के गणमान्य लोग व युवा शक्ति उपस्थित रहे एवं पेट्रोल पंप वाले बालाजी सेवा समिति की ओर से व व्यापार मण्डल ने कावड़ यात्रियों पर एवं कलश यात्रा में मातृ शक्तियों पर समिति की तरफ से पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया साथ ही कैले वितरण किये यात्रा से लोगों में बहुत उत्साह नज़र आया!

डॉक्टर नरेंद्र सिंह फौजदार के नेतृत्व में विशाल कार्यक्रम का आयोजन हुआ

चमकता राजस्थान

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा भरतपुर,ERCP नहर को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिलाने के लिए किसान नेता डॉ नरेंद्र सिंह फौजदार के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन के तहत लगातार हो रहे कार्यक्रमों की कड़ी में विशाल कार्यक्रम का आयोजन गांव ऊनापुर तहसील वैर में हुआ । उल्लेखनीय बात यह रही कि कार्यक्रम में हजारों की गिनती में लोग मौजूद रहे और सभी ने ईआरसीपी नहर को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा न देने पर, ईआरसीपी नहीं तो वोट नहीं की तर्ज पर आंदोलन को आगे बढ़ने का फैसला किया । किसान नेता डॉ नरेंद्र सिंह फौजदार ने बताया कि कुछ लोग यह कहकर भ्रमित कर रहे हैं कि सिर्फ बंद बरेठा बांध ही भरतपुर से आरसीपी में जुड़ा हुआ है मगर वह यह नहीं बता रहे हैं कि राज्य सरकार ने संशोधित डीपीआर में रूपारेल नदी के बहाव क्षेत्र और अन्य बांधों को भी शामिल करने का प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जिससे भरतपुर के वैर भुसावर ,डीग, कुम्हेर, कामा, नगर , सीकरी तक पानी मिलेगा ।

आज के कार्यक्रम में विशेष तौर पर बाल किसान नेता अंगद सिंह मौजूद रहे उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद हजारों ग्राम वासियों से अपील करी की सभी मिलकर अपने बच्चों के भविष्य के लिए पानी की इस क्रांति में शामिल हों।

किसान मजदूर विद्यार्थी यूनियन (अंगद)के जिला संयोजक अभिषेक शर्मा ने बताया कि दिनभर सड़क पर चले प्रदर्शन को कैबिनेट मंत्री भजन लाल जाटव ने आकर समापन करवाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने के झूठे वादे और भरतपुर सांसद रंजीता कोहली के लोकसभा में इस मुद्दे पर गहरी चुप्पी के कारण आंदोलनकारी भीषण गर्मी में गांव-गांव सड़कों पर आंदोलन करने को मजबूर हुए हैं । इस मौके पर कार्यक्रम में सरपंच महेश चौधरी, हाकिम चौधरी, मनोज मीणा, चंद्रशेखर मीणा सरपंच बृजेश पथेना, उनापुर के सरपंच पंचायत सदस्य अनेक अन्य गांवों के पांच सरपंच तथा कुलदीप सिंह, रवि, संजय सिंह, विनोद शर्मा, रवि आजादपुर कृष्ण गुर्जर सहित हजारों लोग शामिल रहे । नरेंद्र फौजदार ने कहा कि ERCP नहर और भरतपुर धौलपुर के जाटों का केंद्र में रुके हुए आरक्षण के ऊपर भरतपुर सांसद रंजीता कोहली की लोक सभा में और लोकसभा के बाहर चुप्पी हैरानी जनक है जबकि हनुमान बेनीवाल जो कि नागौर के सांसद हैं वह ERCP का मुद्दा कई बार उठा चुके हैं , अब रंजीता कोली को भी बोलना चाहिए ।

ग्राम पंचायत बीर की विधालय में पहुंचे फौज के जवान विधालय के छात्र छात्राओं से देश हित में चर्चा

चमकता राजस्थान,अजमेर जिला ब्यूरो चीफ रघुनंदन पारीक

श्रीनगर, आज ग्राम पंचायत बीर में नेहरू युवा केंद्र के द्वारा मेरी माटी मेरे देश का कार्यक्रम संचालित किया गया जिसमें कर्नल अभिक सरकार क्रमांक अधिकारी 316 मीडियम रेजीमेंट अजमेर कुंदन नगर का भी आना रहा है। ग्राम पंचायत बीर से सरपंच महोदय श्रीमान सायरा बानो उपसरपंच रामलाल गुर्जर समाज सेवी सैय्यद हाजी मुराद अली स्कूल प्रिंसिपल समस्त स्कूल स्टाफ राजीविका ब्लॉक प्रबंधक अधिकारी गीत जोगी श्रीनगर इत्यादि समस्त ग्रामवासी स्कूल से बच्चे आयोजन के इस कार्यक्रम में शहीद सुजानगंज जी की स्मृति स्थापना पर उनके परिवार को सम्मानित किया गया इस बटालियन के द्वारा स्मृति स्थान पर राष्ट्रीय गान और कुछ भाषण कार्यक्रम को किया गया स्वयंसेवक नेहरू युवा केंद्र अजमेर से राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक तनु रेगर ने बताया कि नेहरू युवा केंद्र से हमें 300 पौधे मिले हैं जिनमें कुछ छायादार फलदार फुल अलग-अलग प्रकार के पौधे पेड़ पौधे भी मिले हैं जो अलग-अलग ग्राम पंचायत में वितरण किए जाएंगे इन अधिकारी बटालियन के द्वारा कुछ पौधे स्कूल में लगाए गए।

भरतपुर शहर में तिरंगा यात्रा बाइक रैली आज

आजादी की 75 वीं वर्षगांठ देश-विदेश में लहराऐगा तिरंगा

चमकता राजस्थान

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा भरतपुर, स्वतंत्रता दिवस-2023 से पहले आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान तथा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आजादी की 75 वीं वर्षगांठ पर 14 अगस्त-2023 को भरतपुर शहर में भाजपा की ओर से तिरंगा यात्रा बाइक रैली निकाली जाएंेगी,जिस यात्रा का नेतृत्व में तिरंगा यात्रा के संयोजक यश अग्रवाल,भरतपुर विधानसभा के संयोजक अरविन्दपाल सिंह तथा भाजपा नेतागण करेंगे। संयोजक यश अग्रवाल ने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव की आधिकारिक यात्रा की शुरुआत 12 मार्च 2021 को हुई,जिसकी 75 सप्ताह की उलटी गिनती हमारी स्वंतत्रता की 75 वीं वर्षगांठ को शुरू हो गई तथा ये यात्रा 15 अगस्त 2023 को समाप्त होगी। उन्होने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव प्रगतिशील भारत के 75 वर्ष पूरे होने पर और यहां के लोगोंएसंस्कृति एवं उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को याद करने तथा जश्न मनाने केलिए 12 अगस्त से 15 अगस्त तक देशभर में हर घर तिरंगा अभियान के तहत 14 अगस्त को भरतपुर शहर में तिरंगा यात्रा निकाली जाऐगी। उन्होने बताया कि 14 अगस्त को सुबह 9:30 बजे स्वर्ण जयन्ती नगर स्थित भाजपा कार्यालय से बाइक तिरंगा यात्रा शुरू होगी । काली बगीची,बिजली घर चौराहा,मथुरा गेट,जनाना अस्पताल,मोरी चार बाग,गंगा मन्दिर,जामा मस्जिद,सर्राफा मार्केट ,लक्ष्मण मन्दिर,कोतवाली,कुम्हेर गेट,रेडकॉस सर्किल,आरबीएम अस्पताल, सूरजपोल चौराहा,कन्नी गुर्जर सर्किल होकर भाजपा कार्यालय पहुंचेगी,जहां बाइक तिरंगा यात्रा का समापन होगी। यात्रा में प्रदेश,जिला व मण्डल स्तरीय भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भाग लेगें। उन्होने बताया कि तिरंगा यात्रा बाइक रैली की सफलता वास्ते तिरंगा यात्रा कमेटी का भरतपुर विधानसभा संयोजक अरविन्द पाल सिंह ने कमेटी गठित की है,जिस कमेटी में यश अग्रवाल को संयोजक तथा भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सौरभ ताखा,नगर निगम के प्रतिपक्ष नेता व पार्षद रूपेन्द्र सिंह जघीना,भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री मोहित चतुर्वेदी,जिला उपाध्यक्ष राजेश चौधरी,राजेन्द्र सिंह धम्मू,गौरव बंसल छोटू आदि को सदस्य मनोनित किया गया है । तिरंगा हमारी शान है तिरंगा हमारा अभिमान तिरंगा हमारी शान है तिरंगा हमारा अभिमान है । भारतीय जनता पार्टी द्वारा अमृतकाल वर्ष के समापन के दौरान पार्टी द्वारा मेरी मिटटी मेरा देश कार्यक्रमों के तहत यश अग्रवाल को तिरंगा वाहन यात्रा का संयोजक पार्टी द्वारा बनाया गया । इस कार्यक्रम को लेकर यश अग्रवाल द्वारा एक प्रैस वार्ता आयोजित की गयी जिसमें उन्होंने बताया कि 14 अगस्त प्रातः 9:30 बजे काली बगीची स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय भरतपुर से वाहन यात्रा बिजलीघर होते हुए बाजार में प्रवेश करेगी फिर मथुरा गेट, गंगा मन्दिर, सर्राफा बाजार,लक्ष्मन जी मन्दिर, कोतवाली, कुम्हेर गेट, से सरकूलर रोड पर रेडक्रास सर्किल होते हुए आरवीएम हास्पीटल होते हुए भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय पर ही समाप्त होगी इस शहर परिक्रमा को भारतीय जनता पार्टी के सभी पदाधिकारीए कार्यकर्ताए आगामी विधान सभा के सभी प्रस्तावित प्रत्याशी व भरतपुर के आमजन अपने हाथ में भारत का ध्वज लहराते हुए निकलेंगे । यश अग्रवाल ने प्रैस कांन्फ्रैस के दौरान समस्त भरतपुर की जनता से अपील की है कि हम सभी अपने तिरंगे से प्रेम करते हैं और कभी कभी हमें अपना यह प्रेम अपने देश के लिए और अपने तिरंगे के लिए जगजाहिर करना पड़ता है । आईये अपने तिरंगे की शान में और तिरंगे के सम्मान में इस तिरंगा यात्रा के जरिये अपना अमूल्य योगदान दें और देश भक्ति की ज्योति को फैलायें । देश भक्ति के भाव से ही देश निर्माण होता है और इस समृद्व और शक्तिशाली भारत के नवनिर्माण में हम सभी उसके भागीदार हैं इसी जज्बे के साथ आप सभी भरतपुर वासी इस यात्रा में सादर आमंत्रित हैं । प्रैस कांन्फ्रैंस के दौरान भारतीय जनता पार्टी के विधानसभा संयोजक अरविन्द पाल सिंह युवा मोर्चा अध्यक्ष सौरव ताखा, राघवेन्द्र सिंह धम्मो, प्रजापति समाज के युवा अध्यक्ष बनवारी प्रजापति, नगर निगम के प्रतिपक्ष नेता रूपेन्द्र जघीना, मोहित चतुर्वेदी, गौरव बंसल, राजेश चौधरी, विष्णु मित्तल आदि उपस्थित रहे ।

एडवोकेट बृजेश जोशी को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी मे विधि प्रकोष्ठ में सचिव बनाने पर किया भव्य स्वागत

चमकता राजस्थान,शंकर लाल शर्मा,अराई

किशनगढ़ एडवोकेट बृजेश कुमारजोशी को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वाराविधि, मानवाधिकार और आरटीआई विभाग में प्रदेश सचिव नियुक्त करने पर किशनगढ़ बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं द्वारा श्री जोशी के सम्मान में भव्य स्वागत अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें श्री जोशी को माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया इस मौके पर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष शिव धाभाई, रविकांत शर्मा, परमानंद शर्मा, घनश्याम सिंह राठौड़, रतनलाल चौधरी, डी.सी. सेठी, भीमसिंह चौधरी, किशोर सिंह खंगारोत, रामेश्वर लाल चौधरी, दीपक खटाना, राजेंद्र शर्मा, सुदीप सिंह तंवर, दिनेश सिंह बाहरठ,लव सिंह, कुश सिंह, गोवर्धन सिंह राठौड़, नंदकिशोर सेजू, महेश मालाकार, राजेश गुर्जर एवं मुंशी सुमेर सिंह चौहान, चेतन मालाकार आदि उपस्थित रहे स्वागत समारोह से अभिभूत होकर श्री जोशी ने सबका हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि मैं सदैव मुझे दी गई जिम्मेदारी को पूर्ण कर्तव्य निष्ठा के साथ निभाऊंगा तथा आप लोगों का सहयोग बराबर आशीर्वाद के रूप में मुझे मिलता रहे

महिलाओं व युवाओं ने किया रक्तदान

चमकता राजस्थान

फ़िट्योग संस्थान के रक्तदान शिविर में महिलाओं व युवाओं ने 90 यूनिट रक्तदान किया।संस्थान के योगगुरु अरविंद सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि योगगुरु ढाकाराम सापकोटा,विशिष्ठ अतिथि रघुवीरसिंह राठौड़ एवम् पार्षद राजू अग्रवाल थे।मीडिया प्रभारी डॉ मुकेश गुप्ता ने बताया कि शिविर में रक्तदान के प्रति महिलाओं में गज़ब का जोश था।इस अवसर पर राजेश नाहटा,आर एल मीना,अर्चना बालोदिया,ललिता नाहटा,डॉ ओ पी बालोदिया,डॉ स्वेता अग्रवाल,डॉ महिमा पवार,राजेश स्वामी,ऐश्वर्या भट्ट,इशिता बिंद्रा उपस्थित थीं।जयपुरिया ब्लड बैंक ने अपनी सेवाएँ दीं व सभी रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

रवि सिंहल युवा तहसील अध्यक्ष,चंद्रकला महिला अध्यक्ष बने

चमकता राजस्थान

सपोटरा(करौली)उपखंड मुख्यालय के अग्रसेन सेवा सदन में रविवार को जिलाध्यक्ष मूलचंद गुप्ता व तहसील अध्यक्ष खेमराज मंगल के आतिथ्य एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी दिनेश चौधरी की नेतृत्व में तहसील अग्रवाल युवा व महिला संगठन की कार्यकारिणी के निर्विरोध चुनाव संपन्न कराए गए। जिसमें सपोटरा निवासी रवि कुमार सिंहल तहसील युवा अध्यक्ष तथा नारौली डांग निवासी चंद्रकला सर्राफ तहसील महिला अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष मूलचंद गुप्ता ने कहा कि निर्विरोध चुनाव होने पर समाज में मजबूत संगठन एकता का परिचय दिखाई देती है। समाज के लोगों को समाज को आगे बढाने के लिए युवा व महिला संगठन वेहतर मजबूत बना सकता है। नवनिर्वाचित युवा अध्यक्ष रवि सिंघल व महिला अध्यक्ष चन्द्रकला सर्राफ ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के साथ समाज हित व समाज के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहने के साथ पूर्ण निष्ठा से संगठन के लिए कार्य करने का संकल्प दोहराया। इससे पूर्व अतिथियों ने नवनियुक्त युवा व महिला कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए समाज व संगठन के हित में कार्य करने पर जोर दिया। दूसरी ओर नवनियुक्त कार्यकारिणी का माला पहनाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान नेमीचंद नारौली,बाबूलाल,प्रहलाद आल्या,मोतीलाल,रघुनंदन,अशोक सिंहल,युवा संगठन में दो-दो आवेदन आए,मुख्य निर्वाचन अधिकारी दिनेश चंद गुप्ता ने बताया कि युवा संगठन में महामंत्री,वरिष्ठ उपाध्यक्ष,प्रचारमंत्री के दो दो आवेदन पत्र प्राप्त हुए। जिनमें आपसी सहमति के बाद तीनों पदों के लिए एक-एक आवेदन वापस लेने पर निर्विरोध गठन किया गया। वही महिला संगठन में सभी पदों के लिए एक-एक आवेदन मिलने से निर्विरोध चुनाव संपन्न हुआ।सहायक निर्वाचन अधिकारी अशोक बजाज,राजूलाल गुप्ता व राजूलाल चौधरी ने बताया कि तहसील अग्रवाल समाज सपोटरा द्वारा पहली मर्तबा युवा व महिला संगठन की कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें तहसील अग्रवाल युवा संगठन के अध्यक्ष पद पर रवि कुमार सिंहल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर महेन्द्र कुमार गुप्ता हाड़ौती,उपाध्यक्ष प्रहलाद बड़ौदा,संतोष कुमार कुड़गांव,मुकेश गुप्ता करणपुर,देवेश गुप्ता सपोटरा व सौरभ गुप्ता,महामंत्री पद पर चंद्रप्रकाश सिंहल नारौली डांग,मंत्री पद पर सौरभ गोयल बड़ौदा,कोषाध्यक्ष पद पर भवानी शंकर गर्ग सपोटरा,संगठन मंत्री पद पर पवन दीवान व प्रचार मंत्री पद पर हुकम गोयल करणपुर को निर्विरोध चुना गया। इसी प्रकार महिला संगठन में अध्यक्ष पद पर चंद्रकला सर्राफ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर कृष्णा देवी,उपाध्यक्ष पद पर पूजा गुप्ता सपोटरा,मनोज गुप्ता नारौली डांग,ऊषा जिंदल करणपुर,संतोष अग्रवाल कुड़गांव व ममता गुप्ता हाड़ौती महामंत्री पद पर अनिता गुप्ता सपोटरा,मंत्री पद पर ललिता देवी,कोषाध्यक्ष लक्ष्मी कुमारी ईनायती,संगठन मंत्री पद पर सुनीता देवी बंसल व प्रचार मंत्री पद पर पिस्ता देवी सपोटरा को निर्विरोध निर्वाचित किया गया। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष अशोक बजाज,तहसील अध्यक्ष खेमराज मंगल,पूर्व तहसील अध्यक्ष कुंजविहारी गुप्ता,ईकाई अध्यक्ष दिनेश चौधरी,फूलचंद मित्तल आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

चीन की डंपिंग से घरेलू कंपनियां परेशान

इसी साल अप्रैल में देश के स्टील MSMEs (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग) के प्रतिनिधियों ने वित्त मंत्रालय से गुहार लगाई कि उनकी आजीविका को नष्ट होने से बचा लिया जाए। चीन से हो रहे सस्ते आयात की वजह से यह लगातार खतरे में है। इस सेक्टर में 'कोल्ड रोल्ड पत्ता' बनाने वाली 500 रोलिंग मिलें आती हैं। कोल्ड रोल्ड पत्तों का इस्तेमाल रसोई के बर्तन वगैरह बनाने में होता है। प्रतिनिधियों की अपील थी कि चीन से हो रहे आयात पर भारी लेवी लगाई जाए।यह अपील कई वजहों से महत्वपूर्ण है।इस सेक्टर में करीब चार लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है।चीन से हो रहा आयात 40 फीसदी तक कम कीमतों के चलते घरेलू बाजार में देसी उत्पाद को कॉम्पिटिशन से बाहर कर देता है। यह आयात कुल मार्केट के एक चौथाई तक पहुंच चुका है।अगर चीनी आयात ऐसे ही जारी रहा तो पत्ता यूनिटें देसी बर्तन निर्माताओं को अपना उत्पाद बेच नहीं पाएंगी और धीरे-धीरे उन्हें अपनी दुकानें बंद करनी पड़ जाएंगी। वैसे भी यह इंडस्ट्री बेहद कम मार्जिन (करीब 500-2000 रुपये प्रति टन) पर चल रही है। चीन और अन्य देशों की अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस के खिलाफ कदम उठाकर भारतीय उद्योगों की रक्षा करने की गुहार लगाने के मामले में पत्ता यूनिटें अकेली नहीं हैं। विदेश से, खासकर चीन से भारतीय बाजारों में डंप किए जा रहे मामलों से डोमेस्टिक मैन्युफैक्चरर्स को बचाने का जहां तक सवाल है तो 2020 के बाद से वित्त मंत्रालय के स्तर पर इसमें हैरान करने वाली सुस्ती दिखाई देती है। हालांकि विदेश से सस्ता माल डंप किए जाने के खिलाफ कार्रवाई करने और उन पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाने की प्रक्रिया भारत में बिल्कुल स्पष्ट और पहले से स्थापित है। सबसे पहले प्रभावित इंडस्ट्री या ट्रेड बॉडी कॉमर्स मिनिस्ट्री के अंतर्गत आने वाले छ्वत्रञ्जक्र (डायरेक्टर जनरल ट्रेड रेमेडीज) से अपील करती है। -DGTR करीब एक साल चलने वाली अपनी जांच-पड़ताल पूरी करने और इस दौरान सभी संबंधित पक्षों को सुनने के बाद अपनी सिफारिशें देता है। वे सिफारिशें अमल के लिए वित्त मंत्रालय को भेजी जाती हैं।सेंटर फॉर डिजिटल इकॉनमी पॉलिसी रिसर्च (सी-डेप.ऑर्ग) की ओर से की गई एक हालिया स्टडी दिखाती है कि 1991 से 2020 के बीच भारतीय इंडस्ट्री की रक्षा के लिए एंटी डंपिंग शुल्क लगाने की एक फीसदी सिफारिशें भी वित्त मंत्रालय द्वारा खारिज नहीं की गईं। दूसरे शब्दों में जब भी छ्वत्रञ्जक्र ने देसी उद्योग धंधों की रक्षा के लिए लेवी लगाने या लेवी शुल्क की अवधि बढ़ाने की सिफारिश की, उसे अमल में लाया गया। लेकिन सितंबर 2020 और अक्टूबर 2022 के बीच DGTR की ओर से की गई हर तीन में से दो सिफारिशें वित्त मंत्रालय ने खारिज कर दीं।दो वर्षों की इस अवधि में DGTR ने 110 मामलों में एंटी डंपिंग लेवी लगाने की सिफारिश की।वित्त मंत्रालय इनमें से महज 40 केसों में लेवी लगाने को तैयार हुआ।जिन 70 मामलों में DGTR की सिफारिशें खारिज कर दी गईं, सी-डेप.ऑर्ग के मुताबिक, उनमें से 50 मामले चीन से सस्ता माल डंप किए जाने के थे।वैसे सरकार ने एक अच्छा कदम इस बीच यह उठाया कि 31 अगस्त को एक नोटिफिकेशन के जरिए लैपटॉप और पर्सनल कंप्यूटर्स के आयात पर रोक लगा दी। इनका बड़ा हिस्सा चीन से ही आयात हो रहा था। लेकिन अन्य आयातों का ज्यादातर हिस्सा जस का तस है। एंटी डंपिंग लेवी लगाना दरअसल फेयर ट्रेड सुनिश्चित करने का एक साधन है। यह डंपिंग के जरिए व्यापार में लाई जा रही गड़बड़ियों को दूर करता और सही व्यापार के तौर-तरीकों को फिर से स्थापित करता है। सबसे बड़ी बात, यह ड्यूटी देश के अंदर एक मजबूत इंडस्ट्री को खड़ा होने में मदद करती है। उदाहरण के लिए, पेंसिलिन-जी का मामला लीजिए जो न्यूमोनिया और डिप्थीरिया की प्रमुख दवा है।छ्वत्रञ्जक्र ने करीब एक साल की लंबी जांच के बाद 2011 में चीन और मेक्सिको से होने वाले पेंसिलिन-जी के आयात पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाने की सिफारिश की थी।इन दोनों देशों से डंपिंग के कारण लोकल मैन्युफैक्चरर्स अपनी क्षमता के मुताबिक उत्पादन नहीं कर पा रहे थे और उनकी प्रॉफिटेबिलिटी पर बुरा असर पड़ रहा था।वित्त मंत्रालय एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाने को राजी नहीं हुआ। अब स्थिति यह है कि सी-डेप.ऑर्ग के मुताबिक पेंसिलिन-जी का घरेलू उत्पादन पूरी तरह बंद हो गया है। आज भारत इस दवा के मामले में पूरी तरह आयात पर निर्भर हो चुका है।भारत अपनी मूल्य संवेदनशील प्रकृति और घरेलू बाजारों के बड़े आकार के कारण डंपिंग के काफी अनुकूल माना जाता है। हम विदेशी कंपनियों के लिए बड़ा आकर्षण इसलिए भी हैं कि भारतीय उपभोक्ता मूल्यों के थोड़े अंतर से भी प्रभावित हो जाते हैं। इसके अलावा भारत में सप्लायर्स और ग्राहकों के बीच उस तरह का जुड़ाव भी नहीं है जैसा जापान या कोरिया जैसे देशों में दिखता है जहां सस्ता आयात उपलब्ध होने के बावजूद स्थापित सप्लायर्स शायद ही कभी बदले जाते हों।

संविधान के सहारे ही संभालिए सद्भाव

हरियाणा के नूंह में भड़की हिंसा के बाद राज्य के कई गांवों से यह खबर आई थी कि वे अपने यहां संप्रदाय विशेष का बहिष्कार करेंगे। यह आत्मघाती अपील थी। समाज का ताना-बाना सिर्फ धर्म से नहीं बनता, उसमें बाजार की अपनी भूमिका होती है और उसका एक सच मानवीय एकता भी है। मानव जीवन के कई आयाम होते हैं और उनमें से कुछ ही धर्म द्वारा संचालित होते हैं, इसीलिए मुसलमानों के बहिष्कार के फैसले से पीछे हटने का पंचायतों का ताजा फैसला सुखद माना जाएगा। यह वाकई समाजशास्त्रीय दृष्टि से हास्यास्पद स्थिति थी। क्या हमारी जिंदगी धर्म के सिद्धांतों पर चलती है? कोई डॉक्टर, वकील, ऑटो ड्राइवर, फल विक्रेता आदि यूं ही अपनी सेवाएं नहीं देते। हम इसके बदले उचित भुगतान करते हैं। इसमें यह अपेक्षा नहीं की जाती कि समानधर्मी होने की वजह से कोई सेवा के बदले अधिक मूल्य चुकाएगा या कोई विक्रेता कम दाम पर अपनी सेवाएं देगा।दरअसल, हर बहुधर्मी देश में धर्मों के बीच वर्चस्व की एक धारा निरंतर चलती रहती है और प्राचीन इतिहास वाले देशों में एक से ज्यादा धर्मों का होना अप्रत्याशित भी नहीं है। ऐसे में, भारत जैसे प्राचीन सभ्यता वाले राष्ट्र में, जहां दुनिया के सभी धर्मों का अनुसरण करने वाले लोगों की अच्छी तादाद है, और जहां बंटवारे का इतिहास भी है, वहां छोटे-बड़े धर्मों के बीच का रिश्ता कभी तनावपूर्ण, तो कभी सद्भावपूर्ण रहता आया है। आज से तीन दशक पहले पंजाब में अलगाववाद की ऐसी प्रवृत्ति फैली थी कि न सिर्फ सिखों के धर्मस्थल पर कब्जा करने की दुखद कोशिश हुई, बल्कि हमने अपने एक प्रधानमंत्री को भी खो दिया, जिसके बाद हजारों निर्दोष सिखों की हत्या उग्र भीड़ ने की। बीते कुछ समय से पूर्वोत्तर में ईसाई धर्म की प्रधानता वाले राज्य, विशेषकर नगालैंड में अलगाववाद का एक इतिहास दिखा है। मगर उत्तर भारत में हिंदू व मुसलमान के रिश्तों को लेकर पिछले तीन दशकों से एक अजीब कशमकश चल रही है। इसमें साल 1989-90 में हुए भागलपुर के दंगे, उससे पहले बंबई (अब मुंबई) की भिवंडी में 1984 में हुए नरसंहार और उसके बाद 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस की एक दुखद शृंखला लंबी छाया की तरह आज के हिंदुओं और मुसलमानों के बीच मौजूद है। हमें इसी पृष्ठभूमि में हरियाणा की हिंसा को देखना चाहिए। मेवात मुस्लिम आबादी वाला इलाका है, जहां के नूंह कस्बे में पिछले दिनों जो कुछ हुआ, उससे भारत विभाजन के समय हरियाणा के शहरों में हुए हिंदू-मुस्लिम दंगे का इतिहास ताजा हो गया। मेवात तीन वजहों से खास रहा है, जिससे उसकी विरासत का अंदाजा होता है। पहली वजह हसन खान मेवाती हैं, जिन्होंने बाबर द्वारा धर्म का वास्ता दिए जाने के बाद भी हिंदू राजा राणा सांगा की तरफ से युद्ध लड़ना मंजूर किया और युद्ध-भूमि में शहीद हुए। उनकी याद में आज भी मेवात के हिंदू और मुसलमान मिलकर जश्न मनाते हैं। दूसरी वजह, देश के बंटवारे के समय जब यहां के लोग भी देश छोड़ने की तैयारी कर रहे थे, तब गांधी जी से भरोसा मिलने के बाद उन्होंने हरियाणा के बाकी मुसलमानों से अलग पाकिस्तान न जाने का फैसला किया था। तीसरी वजह, शिक्षा, स्वास्थ्य, बाल मृत्यु दर, संचार क्रांति जैसे संकेतकों में यह उत्तर भारत के सबसे अभावग्रस्त इलाकों में एक है और इस कमजोरी को दूर करने के लिए यहां की नागरिक संस्थाएं कोशिशें कर रही हैं। हमें इन तीनों पहलुओं पर गौर करते हुए ही यहां के तनाव को समझना होगा। आखिर इसका समाधान क्या है? बहुधर्मी समाज के कारण हमारा संविधान राज्य-सत्ता से निष्पक्षता की अपेक्षा करता है। कानून तोड़ने वालों से यदि हम धर्म का प्रश्न जोड़ देंगे, तो इससे राज्य की शक्ति घटेगी, सरकार का इकबाल भी घटेगा। इसीलिए सांप्रदायिक तनावों के समाधान की पहली शर्त यही है कि पुलिस-प्रशासन और न्यायपालिका निष्पक्ष रहे। गुरुग्राम कोई पिछड़ा क्षेत्र नहीं है, लेकिन वहां हिंदू-मुसलमानों के बीच पिछले दो दशकों से नमाज और पूजा को लेकर छोटे-बड़े विवाद चल रहे हैं। निस्संदेह, सड़कों पर नमाज अदा करने का काम न तो धर्म की दृष्टि से, और न नागरिक अनुशासन के नजरिये से ही उचित है, लेकिन इसकी प्रतिक्रिया में मुखर वर्गों द्वारा मुसलमानों को नमाज अदा करने से ही वंचित कर देने का फैसला अजीब था। निर्वाचित सरकारों का अमूमन विवादों के समय वोट के लालच में अपने समर्थकों के पक्ष में राज्य-सत्ता का पलड़ा झुकाने की प्रवृत्ति होती है। मगर हमें नहीं भूलना चाहिए, यह क्षणिक लाभ दीर्घकालिक नुकसान का ही दूसरा नाम है। आजादी के बाद सांप्रदायिकता का जब तूफान आया था, तब पहले नेहरू-पटेल की जोड़ी ने और बाद में मौलाना आजाद, अमृत कौर, गोविंद वल्लभ पंत, लाल बहादुर शास्त्री, कमला देवी चट्टोपाध्याय, जय प्रकाश नारायण, राम मनोहर लोहिया आदि सभी नेताओं ने राष्ट्र-निर्माण के लिए सांप्रदायिक सद्भाव को बुनियादी जिम्मेदारी माना था। दंगों के दौरान समाज हतप्रभ होता है, क्योंकि हथियारबंद भीड़ से मुकाबला करने की क्षमता उसके पास नहीं होती। वह प्रशासन से अपेक्षा करता है, और यही कसौटी भी है। इसीलिए जहां सक्षम प्रशासनिक अधिकारी रहे हैं, वहां दंगे 48 घंटों में काबू में आ गए, पर जहां उन्होंने अपने विवेक को ताक पर रख दिया, वहां दंगे हफ्तों चले। स्पष्ट है, संविधान को संभालना और नागरिकों को बचाना, दोनों काम होना चाहिए। संविधान एक महत्वाकांक्षी दस्तावेज है, जिसमें राजनीतिक समानता के आधार पर आर्थिक व सामाजिक समानता की रचना का संकल्प है। धर्म सामाजिक समानता की राह में रुकावट है, इसीलिए सर्वधर्म समभाव का सूत्र दिया गया है। यदि हमने हिंदू राष्ट्र, निजाम-ए-मुस्तफा, खालिस्तान जैसे आत्मघाती समाधानों की तरफ अपनी सोच को मोड़ा, तो यूगोस्लोवाकिया से लेकर लेबनान तक में जो हुआ, वही भारत में भी हो सकता है। हम अपने समाज में सांप्रदायिकता के फैलाव के लिए ठीक उसी तरह जिम्मेदार ठहराए जाएंगे, जिस तरह आज की पीढ़ी देश-विभाजन के लिए जिन्ना-सावरकर से लेकर नेहरू-पटेल तक को दोषी मानती है। हमें सर्वधर्म समभाव की सोच बढ़ानी ही होगी। एक तरफ संवाद के जरिये, तो दूसरी तरफ पुलिस-प्रशासन द्वारा निष्पक्ष कार्रवाई के माध्यम से हम सांप्रदायिक तत्वों से प्रभावी तरीके से निपट सकते हैं।

ऐसी कोई रात नहीं, जिसे सूर्योदय हरा न सके

पूर्वोत्तर की सात बहनों में से एक, अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले की पूर्वी सीमा पर है डोंग। भारत के सबसे दूर-दराज के इलाकों में से एक और इसमें भी दूर-दराज है वह जगह, जहां पहुंचने के लिए देशभर से आए पर्यटक आधी रात ही सफर शुरू कर देते हैं। जानते हैं, ऐसा क्या खास है इस जगह में, जो लोगों को मुंह अंधेरे ही उठने को मजबूर कर देती है, खींचने लगती है अपनी ओर?

इस जगह पड़ती है दिन की पहली रोशनी। भारत की जमीन से सूरज की पहली किरण यहीं टकराती है। यहीं से होती है हर दिन एक नई शुरुआत।जर्मन विद्वान मैक्स मूलर का कहना था, 'सूरज की रोशनी बिना एक फूल खिल नहीं सकता, प्यार बिना इंसान जीवित नहीं रह सकता।'दिन का पहला उजाला प्यार है। जिस तरह से एक मां अपने बच्चे को हौले-हौले नींद से जगाती है, उसकी उनींदी आंखों को खोलने के लिए किस्से-कहानियां सुनाती है, उसी तरह होती है प्रकाश की पहली किरण। मौसम कैसा भी हो, बिल्कुल रूई-सी मुलायम लगती है पहली किरण, मखमली स्पर्श जैसी, सोने के तार की तरह चमकती हुई।दिन का पहला उजाला जीवन है। पहली रोशनी हरकत भर देती है पूरी सृष्टि में। चिड़ियां चहचहाने लगती हैं, पत्ते खिल उठते हैं, कलियां खिलने को तैयार हो जाती हैं। यह कायनात अनगिनत आश्चर्यों से भरी पड़ी है। हर दिन ना जाने कितने आश्चर्य जन्म लेते हैं। हमारी धरती पर और उन सभी की शुरुआत होती है इस पहली किरण से। जब सूरज डूबता है, रात होती है, तारे चमकते हैं, तो ऐसा लगता है कि यह अंधेरा कभी छंटेगा ही नहीं। काला रंग हमेशा चढ़ा रहेगा हर चीज पर। लेकिन, रात खत्म होती है और अंधेरा भी दूर होता है। बस वह पहली किरण ही काफी होती है अंधकार की सेना को हराने के लिए। दिन का पहला उजाला उम्मीद है कि अंधेरा कितना भी घना हो, उसे हटना ही है। दिन का पहला उजाला हमारे शरीर को बताता है कि 'उठो, अब जागने का वक्त हो गया। उठो और एक नई शुरुआत करो।' हमारे शरीर के अंदर भी फिट होती है एक घड़ी, जिसे वैज्ञानिक बायोलॉजिकल क्लॉक कहते हैं। यह घड़ी इसी रोशनी से चलती है। इस घड़ी में वक्त दुरुस्त रहता है, तो केवल इसी पहली किरण की वजह से।सुबह की रोशनी हार्मोन और न्यूरोट्रांसमीटर का एक स्रोत पैदा करती है शरीर में, जिससे मन प्रसन्न हो जाता है। इस रोशनी को जितना सोखेंगे हम, उतना ही स्वस्थ और प्रसन्नचित्त महसूस करेंगे। पहली किरण में ताकत होती है, जो शरीर को मजबूती दे, हड्डियों में ताकत भरे।पश्चिम से पूरब तक, दुनिया की लगभग सारी ही सभ्यताओं में सूरज को देवता माना गया है। उसके पास पिता का दर्जा है। गर्मियों में वह अपने तेवर सख्त कर हमारी परीक्षा लेता है, तो सर्दियों में हमें प्यार से सहलाता भी है। हर दिन नियत समय पर काम पर आता है, लेकिन कभी-कभी बादल में छुपकर खेलने भी लग जाता है, बिल्कुल किसी पिता की तरह। सूरज को यह ओहदा दिलाने में बड़ा हाथ है उसकी पहली रोशनी का।दिन का पहला उजाला ज्ञान है। सुबह-सुबह दिमाग एक कोरे कागज के साथ तैयार रहता है। लेकिन, उस कागज पर लिखा क्या जाए, यह विचार पहली किरण के साथ ही आता है। सर्वोत्तम विचार पहली रोशनी के साथ ही आते हैं, सूरज के अपने पूरे रुआब पर पहुंचने से पहले। रोशनी के पहले कतरे के चमत्कार को महसूस करने के लिए आपको बस एक काम करना है, अपने कदम आगे बढ़ाने हैं। उठिए और निकलिए। देखिए, क्षितिज पर उठती लालिमा को और उससे फूटती सुनहरी रेखाओं को, जो सीधे आपसे मिलने के लिए आ रही हैं।यही वह वक्त है, जब अपने अतीत को भुलाकर आगे बढ़ सकते हैं, थाम सकते हैं उन किरणों को। यह मौका है अपनी सभी समस्याओं को पीछे छोड़ने का। एक नई ऊर्जा महसूस करने का। खुद को रीचार्ज करने का। बिल्कुल सही समय एक सही शुरुआत के लिए। इन किरणों से आप खुद भी रोशन हो सकते हैं और किसी और को भी रोशन कर सकते हैं। खुद भरोसे से भर सकते हैं और दूसरों का भी भरोसा बन सकते हैं। एक नया नजरिया ले सकते हैं और दूसरों को एक नई राह दिखा सकते हैं। 20वीं सदी के अंग्रेज दार्शनिक बर्नार्ड विलियम्स ने कहा था, 'ऐसी कोई रात या समस्या नहीं, जिसे सूर्योदय या उम्मीद से हराया ना जा सके।

जेल में इमरान, मुश्किलों में फंसा पाक

पाकिस्तान में खबरें अभी इस बात के इर्द-गिर्द चल रही हैं कि राजधानी इस्लामाबाद से 85 किलोमीटर दूर स्थित अटक जेल की एक छोटी सी कोठरी में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को कितने कीड़ों और मच्छरों का सामना करना पड़ रहा है। 9 अगस्त को संसद भंग किए जाने की खबर मीडिया में उतनी जगह नहीं पा रही है, जितने की यह हकदार है। दो तयशुदा घटनाएं पाकिस्तान में अगस्त और सितंबर में घटित होनी हैं। संसद भंग होने के थोड़े ही समय बाद पाकिस्तान के चीफ जस्टिस उमर अता बंदियाल रिटायर होने वाले हैं। जिस तोशाखाना केस में इमरान खान को तीन साल कैद की सजा सुनाई गई है और उनके पांच साल चुनाव लड़ने पर रोक लगाई गई है, वह ऊपरी अदालतों में तभी टिक पाएगा, जब उनके जज सरकार की मर्जी से चलने को राजी हों। पिछले तजुर्बे को देखकर लगता है, शाहबाज शरीफ के शासक गठजोड़ के लिए यह उम्मीद जस्टिस बंदियाल के हटने पर ही बन पाएगी।तीन 'ए'- अल्लाह, आर्मी और अमेरिका- पाकिस्तान को चला रहे हैं, ऐसा इस मुल्क का स्वतंत्र राजनीतिक ढांचा बनने के साथ ही कहा जाने लगा था। 21वीं सदी के दूसरे दशक में अमेरिका की जगह चीन को लाने की कोशिश हुई, जिसे इमरान खान चरम बिंदु तक लेते चले गए। लेकिन पिछले कुछ सालों में अमेरिका की दिलचस्पी पाकिस्तान में बहुत कम रह जाने के बावजूद पाकिस्तानी ढांचे से उसे बाहर निकालना लगभग असंभव है, इस बात का अंदाजा अभी इमरान की दुर्गति देखकर लगाया जा सकता है। बहरहाल, आगामी चुनावी मुकाबले के मद्देनजर कुछ बातें गौर करने लायक हैं।सर्वेक्षणों से पता चल रहा है कि पाकिस्तान की आम जनता में सत्तारूढ़ गठबंधन बहुत अलोकप्रिय है और सारी विफलताओं के बावजूद इमरान को पसंद करने वाले लोग काफी हैं।जो पार्टियां अभी शाहबाज शरीफ के इर्द-गिर्द जमा हैं वे हमेशा से एक-दूसरे के खिलाफ ही चुनाव लड़ती आई हैं और उनके बीच सीटों का बंटवारा आसान नहीं होगा। लेकिन उनके लिए गुंजाइश यहां मौजूद है कि पाकिस्तान में आम चुनाव की प्रक्रिया संसद भंग होने के तुरंत बाद नहीं शुरू होने वाली है।संवैधानिक रूप से अगली सरकार वहां संसद भंग होने के तीन महीने के अंदर- यानी 9 नवंबर 2023 तक बन जानी चाहिए। लेकिन इसमें एक तकनीकी पेच यह फंसा हुआ है कि संसद और विधानसभाओं के लिए चुनाव क्षेत्रों का निर्धारण 2023 की जनगणना के मुताबिक होना है और यह काम अभी शुरू भी नहीं हुआ है।माना जा रहा है कि कम से कम चार महीने चुनाव क्षेत्रों के निर्धारण में लगेंगे, उसके बाद ही पाकिस्तानी चुनाव आयोग की ओर से चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत हो पाएगी। यानी वोट पड़ते-पड़ते नए साल में भी एक-दो महीने निकल जाएंगे।पाकिस्तान के सत्तारूढ़ नेताओं को उम्मीद है कि अपनी ध्वस्त साख को बचाने में वे इस अवधि का अच्छा इस्तेमाल करेंगे, जबकि एक अकेले नेता के करिश्मे पर टिकी इमरान खान की तहरीके इंसाफ पार्टी उनके जेल में होने के चलते पिछड़ती चली जाएगी।कुछ समय पहले इमरान की पहली गिरफ्तारी के वक्त हुए हंगामे के बाद तहरीके इंसाफ के ज्यादातर नेता जेल में डाल दिए गए और उन पर इतने मुकदमे ठोक दिए गए कि पार्टी छोड़कर घर बैठ जाने के अलावा कोई चारा ही उनके पास नहीं बचा।इमरान के जेल में रहने पर आगे उनकी पार्टी का बिखराव इतना बढ़ सकता है कि वोटिंग के दिन तहरीके इंसाफ का जमीनी ढांचा ही नदारद हो जाए। चुनावी राजनीति से जरा परे हटकर देखें तो एक देश के रूप में पाकिस्तान की साख लगभग शून्य पर पहुंची हुई है। फरवरी 2022 के आखिरी हफ्ते में यूक्रेन पर रूस के हमले की शुरुआत के तुरंत बाद इमरान खान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन से मुलाकात करने पहुंचे थे। लेकिन फिर साल बीतने के पहले ही चक्का पूरा घूम गया और पाकिस्तान यूक्रेन के लिए हथियारों और गोला-बारूद की सप्लाई करने लगा। यूक्रेन की ओर से 155 एमएम हॉवित्जर तोपों के जो गोले अभी रूसी फौजों पर दागे जा रहे हैं, उनमें ज्यादातर पाकिस्तान से ही वहां पहुंचे हैं। अमेरिका अपना खुद का गोला-बारूद बचाकर रखना चाहता है, लिहाजा यूक्रेन की मिजाजपुर्सी का काम उसने चेलों पर छोड़ दिया है। नतीजा यह कि विदेश नीति में पाकिस्तान का हाल थाली के बैंगन से भी बुरा हो गया है।रही बात पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था की तो इस बारे में कुछ न कहना ही बेहतर होगा।दो महीने पहले तक उसके दिवालिया हो जाने का खतरा मंडरा रहा था। ऐन मौके पर चीन से दो अरब और ढ्ढरूस्न से तीन अरब डॉलर की राहत मिल जाने से यह खतरा टल गया लेकिन इसकी सीधी मार पाकिस्तान की आम जनता को झेलनी पड़ रही है।ढ्ढरूस्न ने पूरी सख्ती से सरकारी सब्सिडी की सारी योजनाओं पर कुल्हाड़ा चलवा दिया है और पिछले बजट में शाहबाज सरकार को लोकप्रिय बनाने के लिए जो भी घोषणाएं की गई थीं, उन सबको ठंडे बस्ते में डलवा दिया है। अभी तत्काल सबसे बड़ी मुश्किल बरसात से जुड़ी है। पिछले साल, जुलाई 2022 में आई ऐतिहासिक बाढ़ ने जल प्रबंधन का पूरा ढांचा तहस-नहस कर दिया था। एक साल का समय इसकी मरम्मत के लिए कम नहीं था, लेकिन शाहबाज सरकार के पास इस काम के लिए पैसे ही नहीं थे।

मत सोचिए कि मेरा क्या बिगड़ जाएगा

आपने क्या कभी दो-लेन वाली सड़क पर ट्रैफिक जाम में धैर्यपूर्वक इंतजार किया है? क्या आपने देखा है कि कोई दूसरा वाहन गलत ढंग से आपसे आगे निकल गया और सड़क को पहले से ज्यादा जाम कर दिया? क्या आपने देखा है कि कॉलोनियों में आपके पड़ोसी अपने घर के सामने सड़क का अतिक्रमण कर रहे हैं? क्या आपको कभी ऐसा महसूस हुआ है कि कोई वाट्सएप ग्रुप किसी खास मकसद से शुरू किया गया था, पर कुछ लोगों ने अपने एजेंडे के लिए उस पर कब्जा कर लिया, उसमें चल रहे संदेशों पर एकाधिकार कर लिया, जिससे उस समूह की एकजुटता खत्म हो चुकी है? हमारे वाट्सएप समूहों में आए दिन ऐसा होता है। कुछ सदस्यों को समूह से बाहर कर दिया जाता है और वह समूह टूट जाता है, फिर एक ही समूह के अनेक उप-समूह बन जाते हैं। यदि आपको इनमें से कोई भी अनुभव हुआ है, तो इसका मतलब है, आपने भी 'ट्रेजेडी ऑफ कॉमन्स' या आम लोगों की त्रासदी का अनुभव किया है। ऐसी घटनाओं का गहरा अध्ययन जीव विज्ञानी गैरेट हार्डिन ने किया है।इस घटना को हार्डिन के एक उदाहरण से सबसे अच्छी तरह से समझा जा सकता है। जहां एक साझा चरागाह है, जिसमें ग्रामीण अपने मवेशियों को चराने के लिए राजी होते हैं। यदि सभी ग्रामीण अपना वादा निभाएं, तो यह व्यवस्था सही चल सकती है। भले ही कुछ लोग लापरवाही बरतें और अपने मवेशियों को जरूरत से ज्यादा समय चरने दें, पर तब भी व्यवस्था काम करती रहती है। हालांकि, एक बार जब चोरी-छिपे किया जाने वाला गलत व्यवहार चरम पर पहुंच जाता है, तब कुछ लोगों के स्वार्थ के चलते पर्यावरण विनाश होने लगता है, जिससे हर कोई साझा सुविधा या व्यवस्था से वंचित होने लगता है।मामला वनों की कटाई का हो, प्रदूषण, पानी की कमी, अत्यधिक मछली पकड़ने या कॉरपोरेट राजनीति का हो, हर जगह कुछ लोग नियम तोड़ते हैं और जल्द ही बाकी सब लोग उनका अनुसरण करने लगते हैं। मानव व्यवहार का कमजोर पहलू ऐसी गिरावट को और बढ़ा देता है, लेकिन अपने में मस्त रहने की लापरवाह प्रवृत्ति जब चरम पर पहुंचती है, तो सब कुछ बदल जाता है। याद कीजिए, 1994 में गुजरात का सूरत शहर प्लेग की चपेट में आ गया था। लगभग 60 लोगों की मौत हुई थी। उस त्रासदी ने ऐसे प्रेरित किया कि सबने मिलकर शहर को साफ किया। सूरत में हुआ बदलाव एक 'केस स्टडी' बन गया। ध्यान रहे, प्लेग रातोंरात नहीं आया था। शहर में लाखों टन कचरा सड़ रहा था, तो चूहे भी बेहिसाब हो गए थे। वहां भी आम लोग तभी जागे या कूड़ा जनित त्रासदी का चक्र तभी टूटा, जब गंदगी या प्लेग के प्रति उदासीनता चरम पर पहुंच गई। हालांकि, किसी शहर को साफ करने के लिए वैसे प्लेग की कतई जरूरत नहीं है, जैसे हथियार अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर के लिए परमाणु नरसंहार की जरूरत नहीं है। जागरूकता बढ़ने से भी लोगों की मानसिकता बदल सकती है। मिसाल के लिए, इयान फ्लेमिंग द्वारा रचे गए नायक 'जेम्स बॉन्ड' को ही लीजिए। 1960 के दशक में धूम्रपान करने वाला शराबी, महिलाओं के पीछे भागने वाला कुंवारा बाद में धूम्रपान छोड़कर एक संवेदनशील और प्रतिबद्ध पिता बन गया। जेम्स बॉन्ड की शृंखला यह दर्शाती है कि समय के साथ समाज क्या मंजूर करता है और किससे घृणा करता है। समय के साथ किसी चीज के खिलाफ समाज में धीरे-धीरे गुस्सा जमा हो सकता है और वह मी-टू आंदोलन या अरब प्रिंग क्रांति की तरह भड़क सकता है। समय बदलता है, जब कुछ बिंदुओं पर बहुत से लोग यथास्थिति को स्वीकार करने से मना कर देते हैं। सरकारों और कंपनियों को भी दशा-दिशा बदलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। देश में चला तंबाकू विरोधी आंदोलन इसका एक उदाहरण है। 2000 के दशक की शुरुआत तक तंबाकू सेवन एक सहज जीवनशैली के तहत मान्य था, पर समय बदला, तंबाकू से खतरे के प्रति समाज जागा और अब तंबाकू को बहुत निंदा व प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध और नशे के पदार्थ के पैकेट पर छपने वाली आकर्षक छवियों और भ्रामक संदेशों को हटाना पड़ा है। धूम्रपान के दुष्परिणामों पर जन जागरूकता अभियान चलाना पड़ा है। अब तो इस मामले में जागरूकता ऐसे स्तर पर पहुंच गई है, जहां निवेशक कंपनियां भी निवेशकों को आश्वासन देने लगी हैं कि उनका धन कभी भी तंबाकू संबंधी कंपनियों में नहीं लगाया जाएगा। यह सब दर्शाता है कि जब एक चीज की अति हो जाती है।

चुनाव के लिए नियुक्ति

मुख्य चुनाव आयुक्त सहित चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति और सेवा शर्तों को नियंत्रित करने के लिए कानून की तैयारी चर्चा में है। प्रस्तावित विधेयक के अनुसार, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में देश के प्रधान न्यायाधीश की भूमिका समाप्त हो जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (सेवा-नियुक्ति शर्तें एवं कार्यकाल) विधेयक, 2023 के गुण-दोष पर विमर्श तय है। गौर करने की बात है कि यह विधेयक सर्वोच्च न्यायालय के एक हालिया फैसले की रोशनी में तैयार किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के संबंध में कानूनी शून्यता का उल्लेख किया था। प्रस्ताव के अनुसार, अब जो चुनाव आयुक्त या मुख्य चुनाव आयुक्त चुने जाएंगे, उनका फैसला प्रधानमंत्री, एक कैबिनेट मंत्री व लोकसभा में विपक्ष के नेता मिलकर करेंगे। 2 मार्च, 2023 के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में यह कहा गया था कि जब तक केंद्र सरकार भारत के चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी यथोचित कानून नहीं लाती, तब तक ये नियुक्तियां प्रधानमंत्री, प्रधान न्यायाधीश व नेता प्रतिपक्ष की समिति की सलाह पर की जानी चाहिए। न्यायालय की प्रशंसा होनी चाहिए कि उसने कमी की ओर इशारा किया और अब सरकार इस दिशा में पहल कर रही है। हालांकि, यह शिकायत सामने आई है कि प्रस्तावित संशोधन से देश के प्रधान न्यायाधीश की उपेक्षा होगी, पर वास्तव में यह फैसला तो सरकार का ही है। कहीं न कहीं न्यायाधीश की नियुक्ति में भी सरकार की भूमिका होती ही है। उच्च स्तर पर होने वाली किसी भी नियुक्ति में सरकार की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता और इसे गलत भी नहीं ठहराया जा सकता। पहले भी सरकारों ने आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया और चुनाव आयोग के आकार में परिवर्तन किए हैं। संविधान के तहत साल 1950 में एक सदस्यीय चुनाव आयोग का गठन हुआ था और 15 अक्तूबर, 1989 तक वह एक सदस्यीय ही रहा। तत्कालीन सरकार ने उसे बहुसदस्यीय बना दिया, लेकिन दो महीने बाद ही यह फिर से एक सदस्यीय हो गया। साल 1993 में तत्कालीन सरकार ने इसे फिर तीन सदस्यीय बना दिया। तब भी यह आरोप लगा था कि ईमानदार चुनाव आयुक्त टी एन शेषन पर लगाम कसने के लिए ऐसा किया गया है। खैर, कुछ विवाद के बाद सरकार की वह कोशिश कामयाब रही थी और आज भी चुनाव आयोग तीन सदस्यों के साथ अच्छा काम कर रहा है। लोग आयोग से उम्मीदें रखते हैं और यह सफलतापूर्वक चुनावी प्रक्रियाओं को अंजाम देता आ रहा है। अगर सरकार की मंशा चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया से प्रधान न्यायाधीश को अलग रखने की है, तो इसे समझने की जरूरत है। न्यायपालिका पहले से ही मुकदमों के दबाव में है।

एसएमएस स्टेडियम में हुआ स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह का पूर्वाभ्यास

चमकता राजस्थान, जयपुर।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2023 को एसएमएस स्टेडियम में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम का पूर्वाभ्यास शनिवार को आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में प्रस्तुत किये जाने वाले परेड, मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुलिस व लोक कलाकारों के देश भक्ति के कार्यक्रम, बैंड वादन, राजस्थानी नृत्य आदि का पूर्वाभ्यास किया गया। समारोह में प्रस्तुत किये देशभक्ति से ओत पोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिहर्सल की गयी। पुलिस जवानों ने अद्भुत साहस के साथ रोमांचकारी प्रदर्शन किया। इस दौरान गृह विभाग के सचिव श्री आनंद कुमार, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री दिनेश कुमार एवं विशिष्ठ सचिव श्रीमती शैली किशनानी, राजस्थान संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष श्रीमती बिनाका जेश मालू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव पर रोक

चमकता राजस्थान, जयपुर। उच्च शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की क्रियान्विति की स्थिति, विश्वविद्यालयों की विभिन्न परीक्षाओं के परिणाम जारी करने चालू सत्र के लिए प्रवेश की स्थिति, बजट घोषणाओं की क्रियान्विति तथा छात्रसंघ चुनाव एवं लिंगदोह समिति की सिफारिशों की पालना आदि विषयों पर विचार विमर्श करने हेतु दिनांक 12.82023 को उच्च शिक्षा विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण. राजस्थान राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के पदाधिकारियों एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में उपाध्यक्ष, राजस्थान राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद एवं विश्वविद्यालयों के बैठक में उपस्थित सभी कुलपतिगण द्वारा यह अभिमत व्यक्त किया गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न घटकों को लागू करना एक चुनौतिपूर्ण कार्य है। इस दिशा में अभी व्यापक प्रयास किये जा रहे हैं। एकेडमिक बैक ऑफ क्रेडिट में छात्रों का पंजीकरण, सेमेस्टर व्यवस्था लागू करने, इंस्टीट्यूशनल डवलपमेंट प्लान, नैक द्वारा प्रत्यायन एवं शिक्षा की गुणवत्ता आदि कार्य प्रगति पर हैं। विश्वविद्यालयों की विभिन्न परीक्षाओं के परिणामों में देरी, नवीन महाविद्यालयों के खोले जाने प्रवेश प्रक्रिया में विलम्ब के कारण न्यूनतम 180 दिवस अध्यापन कार्य करवाना चुनौतिपूर्ण है। मा0 उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति की अनिवार्यता है। शिक्षा की गुणवत्ता हेतु उपरोक्त किये जा रहे कार्यों के दृष्टिगत कुलपतिगण द्वारा अभिमत व्यक्त किया गया कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2023-24 में छात्रसंघों के चुनाव नहीं करवाये जाने चाहिये । उपाध्यक्ष, राजस्थान राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद द्वारा अवगत कराया गया कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 2004 से 2009 तक छात्रसंघ चुनाव नहीं करवाये गये थे। वर्ष 2010 से छात्रसंघ चुनाव करवाये जा रहे हैं। कोविड की विषम परिस्थितियों के कारण 2020 एवं 2021 में छात्रसंघ चुनाव नहीं करवाये गये। कुलपतिगणों द्वारा विद्यार्थियों के छात्रसंघ चुनावों में धनबल एवं भुजबल का खुलकर प्रयोग करने तथा लिंगदोह समिति की सिफारिशों का उल्लंघन होने की स्थिति स्पष्ट की गई। यदि छात्रसंघ चुनाव कराये जाते हैं तो शिक्षण कार्य अत्यधिक प्रभावित होने तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप सेमेस्टर सिस्टम लागू करने में अत्यधिक असुविधा रहेगी। अत: राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों के बैठक में उपस्थित सभी कुलपतिगणों द्वारा व्यक्त किये गये मन्तव्यों को दृष्टिगत रखते हुए तथा व्यापक छात्रहितों में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में सत्र 2023-24 में छात्रसंघ चुनाव नहीं करवाने का निर्णय लिया गया है। यह राज्य सरकार के सक्षम स्तर से अनुमोदित है।

उम्र के अंतिम पड़ाव में बदले का सुखद इंतजार शेष

नेट थिएट पर नाटक इंतजार का सशक्त मंचन

चमकता राजस्थान, जयपुर। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज रंग दर्पण संस्था की ओर से सुप्रसिद्ध साहित्यकार शंकर शेष की कहानी पर आधारित नाटक इंतजार का सशक्त मंचन किया गया नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि निर्देशन मनोज स्वामी ने किया कथासार-लेखक शंकर शेष की सर्वश्रेष्ठ कहानी में से एक है प्रतीक्षा एक ऐसे पिता की कहानी है, जो अपने बेटे के हत्यारों को पहचानने की कोशिश करता है द्य हत्यारा उसका ही मकान खरीदने के लिए आता है, तो उसकी आवाज और पांव की चाल से उसे पहचान लेता है द्य जिसका कई वर्षों से प्रतीक्षा कर रहा था और अंत में उसकी हत्या कर अपना बदला पूरा करता है और खुद भी अपनी जीवन लीला समाप्त कर लेता है। नाटक के मुख्य किरदार में मनोज स्वामी ने अपने अभिनय से पिता की भूमिका को बखूबी निभाया और अपने हाव-भाव और अभिनय से प्रभावित किया । नाटक में सागर गढ़वाल, जीवितेश शर्मा और मनीष योगी ने अपने पात्र के साथ न्याय किया और नाटक को सफल बनाया । कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, प्रकाश व्यवस्था अंकित शर्मा नोनू, मंच व्यवस्था मिहिजा शर्मा और कवितेश की रही ।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर यूथ ने ली मतदान की शपथ

यूथ चला बूथ की थीम पर सेंट जेवियर्स कॉलेज में हुआ आयोजन

चमकता राजस्थान, जयपुर। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर जयपुर के बगरू स्थित सेंट जेवियर्स कॉलेज में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। राजस्थान सरकार के निर्वाचन विभाग के सहयोग से आयोजित हुए समारोह में ईवीएम हैंड्स-ऑन-ट्रेनिंग सत्र का आयोजन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रकाश राजपुरोहित के निर्देशन में यूथ चला बूथ थीम पर आयोजित हुए कार्यक्रम में नव मतदाताओं को ईवीएम एवं वीवीपैट के व्यवहारिक ज्ञान हेतु प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान युवा मतदाताओं ने मॉक पोलिंग के जरिये ईवीएम की कार्यप्रणाली को करीब से जाना। बगरू विधानसभा क्षेत्र की निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी श्रीमती अनुराधा गोगिया ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को मतदान की शपथ दिलाई एवं आगामी विधानसभा चुनावों में शत प्रतिशत मतदान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। समारोह में कॉलेज के आसपास के क्षेत्र महापुरा, लाल्या का बास, नेवटा के कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में निर्वाचन विभाग के स्वीप सलाहकार श्रीमती शिखा सोनी, श्री सुधीर सोनी, जिला स्वीप कॉर्डिनेटर डॉ. स्निग्धा शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने शिरकत की।

मुख्यमंत्री-अधिवक्ता संवाद : आदर्श समाज के निर्माण में वकीलों की भूमिका अहम

चमकता राजस्थान, जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में वकीलों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू, श्री मोतीलाल नेहरू आदि सभी वकील थे। आदर्श समाज के निर्माण में वकीलों की भूमिका अहम होती है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं को संविधान की मूल भावनाओं की गहराई से जानकारी होती है। आज की चिंताजनक परिस्थितियों में देश के संवैधानिक मूल्यों का संरक्षण करना अधिवक्ताओं का कर्तव्य है। गहलोत शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री-अधिवक्ता संवाद समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वयं अल्पकाल के लिए वकालत की है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भी बेरिस्टर थे। आज उनका जन्मदिन पूरे विश्व में अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनके दिए गए सत्य और अहिंसा के संदेश वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम के आरंभ में श्री गहलोत ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

राज्य सरकार के निर्णयों से हो रहा अधिवक्ताओं को लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार द्वारा अधिवक्ताओं के हित में विभिन्न निर्णय लिए गए हैं, जिनसे वे लाभान्वित हो रहे हैं। एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट पारित करने वाला राजस्थान एकमात्र राज्य है। राज्य सरकार द्वारा अधिवक्ताओं के वेलफेयर फण्ड के लिए 5 करोड़ रुपए, बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के अत्याधुनिक नवीन भवन के लिए 14.37 करोड़ रूपए, अधिवक्ता भवन का निर्माण जैसे फैसले लिए गए हैं। जोधपुर में हाई कोर्ट के अत्याधुनिक नवीन भवन का निर्माण किया गया है। गत कार्यकाल में अधिवक्ताओं हेतु लाइब्रेरी का निर्माण करवाया गया।

राज्य सरकार की योजनाओं से सभी वर्गों को हो रहा लाभ

गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं से हर वर्ग को राहत प्रदान कर रही है। महंगाई राहत कैम्प, 25 लाख तक का नि:शुल्क इलाज, 3 लाख से अधिक सरकारी नौकरी जैसे फैसलों से लोगों को राहत मिली है। आमजन के हित में प्रदेश में मिनिमम इनकम गारंटी एक्ट, राइट टू हैल्थ जैसे कानून बनाए गए हैं। ग्रामीण-शहरी ओलम्पिक खेलों में लगभग 60 लाख प्रदेशवासी भाग ले रहे हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार अन्य राज्यों की तुलना में राजस्थान में कानून व्यवस्था बेहतर है। घरेलू एवं कृषि बिजली उपभोक्ताओं के बिजली बिलों पर लगने वाले फ्यूल चार्ज को पूरी तरह राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। इसके लिए 2500 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मणिपुर में महिलाओं के विरूद्ध हुए जघन्य अपराधों तथा केन्द्रीय जांच एजेन्सियों के दुरूपयोग पर भी चिंता व्यक्त की। इस अवसर पर विधि मंत्री श्री शांति धारीवाल ने कहा कि प्रदेश में अधिवक्ताओं हेतु एक से बढ़कर एक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। ऐसी योजनाओं वाला राजस्थान देश का एकमात्र राज्य है। पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री श्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि नए जिलों के बनने से अधिवक्ताओं हेतु रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

15 अगस्त को होगा मुख्यमंत्री नि:शुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना का आगाज

जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम से मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

चमकता राजस्थान, जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बजट घोषणा की अनुपालना में मंगलवार, 15 अगस्त, 2023 को मुख्यमंत्री नि:शुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना का आगाज होगा। जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाले समारोह में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस योजना का शुभारंभ करेंगे। आयोजन को लेकर जिला कलक्टर श्री प्रकाश राजपुरोहित ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंप दी है। उन्होंने बताया कि गरीब एवं वंचित आमजन को बढ़ती महंगाई से राहत दिलाने के लिए मुख्यमंत्री नि:शुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना शुरू की है। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2023-24 के बजट में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से जुड़े परिवारो के लिए यह योजना लागू की है। मुख्यमंत्री नि:शुल्क फूड पैकेट योजना के तहत वितरित किये जाने वाले फूड पैकेट में एक लीटर सोयाबीन रिफाइंड तेल, एक किलो आयोडीन नमक, एक किलो चीनी, एक किलो चना दाल, 100 ग्राम धनिया पाउडर, 100 ग्राम मिर्च पाउडर एवं 50 ग्राम हल्दी पाउडर दिया जाएगा।

बीकानेर हाउस में राजस्थान के मशहूर कलाकारों के चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन

दिल्ली में बिखरेंगे राजस्थानी कला के रंग

चमकता राजस्थान, जयपुर। राजस्थान ललित कला अकादमी, जयपुर द्वारा नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में बी. एच. एम. एस. के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान के ख्यातनाम कलाकारों के चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन हाउस की कला दीर्घा में किया जा रहा है। शनिवार को शुरू हुई चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन राज्यसभा सांसद श्री जयराम रमेश, सांसद श्री मुकुल वासनिक, श्री पवन खेड़ा और आवासीय आयुक्त श्री धीरज श्रीवास्तव की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। आवासीय आयुक्त श्री धीरज श्रीवास्तव ने बताया कि यह प्रदर्शनी दिनांक 17 अगस्त, 2023 तक प्रतिदिन प्रात: 11 बजे से सांय 7 बजे तक दर्शकों के अवलोकनार्थ नि:शुल्क खुली रहेगी। अकादमी अध्यक्ष श्री लक्ष्मण व्यास ने बताया कि प्रदर्शनी में राज्य के चयनित कलाकारों की कलाकृतियां प्रदर्शित की जा रही है। इस प्रदर्शनी में मुख्यत: पद्मश्री शाकिर अली, कलाविद शैल चोयल, शब्बीर हसन काजी, सुब्रतो मण्डल, प्रो. सी.एस. मेहता, प्रो. भवानी शंकर शर्मा, महावीर स्वामी, दिलीप शर्मा, शाहिद परवेज, मदन मीणा, धर्मेन्द्र राठोड, डॉ. विद्यासार उपाध्याय, अमित हारित, प्रियंका बर्डिया, हेमन्त द्विवेदी, महेश सिंह, राम जैसवाल, डिम्पल चण्डात, सुनिल निमावत, रामगोपाल कुमावत, लक्ष्यपाल सिंह राठौड, मनीष शर्मा, अशोक हाजरा, डॉ. नाथूलाल वर्मा, गौरी शंकर सोनी, चन्द्र शेखर सैन, ललित शर्मा, मनोज टेलर, चरण शर्मा, लाखन सिंह जाट, डॉ. जगमोहन माथोडिया आदि प्रमुख है।

इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना का दिखा क्रेज

आज जयपुर में 543 व जयपुर ग्रामीण जिले में 1470 मोबाइल फोन का हुआ वितरण

दोनों जिलों में अब तक 3 हजार से ज्यादा लाभार्थियों को मिली सौगात

चमकता राजस्थान, जयपुर। इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना का आमजन में खासा क्रेज देखने को मिल रहा है। योजना के तहत शनिवार को जयपुर जिले में कुल 543 एवं जयपुर ग्रामीण जिले में कुल 1470 पात्र लाभार्थियों को स्मार्ट फोन का वितरण किया गया। जिला कलक्टर श्री प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना के तहत अब तक जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिले में कुल 3 हजार 359 स्मार्ट फोन का वितरण किया जा चुका है।

टोल फ्री नम्बर 181 पर मिलेगी योजना की पूरी जानकारी

कलक्टर राजपुरोहित ने बताया कि योजना की संपूर्ण जानकारी हासिल करने के लिए एवं शिकायत दर्ज कराने के लिए राजस्थान संपर्क सहायता केन्द्र के टोल फ्री नम्बर 181 पर सम्पर्क किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि यदि पात्र लाभार्थी के जन आधार से मोबाइल नंबर लिंक नहीं है तो वे नजदीकी ई-मित्र केन्द्र पर जा कर अपना मोबाइल नंबर अपडेट करवा सकते हैं और अगर लाभार्थी के पास स्मार्टफोन नहीं है तो वह कैम्प में उपलब्ध टैबलेट के माध्यम से अपना जनाधार ई वॉलेट में पंजीकरण करवा कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन और रविवार को अवकाश-

कलक्टर राजपुरोहित ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन एवं रविवार के अलावा जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिले के सभी 22 शिविरों पर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक प्रत्येक शिविर में 200-200 लाभार्थियों को स्मार्ट फोन वितरित किया जाएगा। किस लाभार्थी को किस दिन किस समय किस शिविर में आना है इसकी सूचना लाभार्थी के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर कॉल एवं मैसेज द्वारा दी जाएगी।

जयपुर में इन केन्द्रों पर आयोजित हो रहे हैं शिविर

शिविर आयोजन क्षेत्र, शिविर आयोजन का स्थान-
- नगर निगम हैरिटेज चौगान स्टेडियम, गणगौरी बाजार, जयपुर
- नगर निगम हैरिटेज सामुदायिक केन्द्र, लक्ष्मीनारायणपुरी, किशनपोल, जयपुर
- नगर निगम हैरिटेज महारानी कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, बनीपार्क, जयपुर
- नगर निगम हैरिटेज अम्बेडकर भवन, रोटरी सर्किल, ट्रांसपोर्ट नगर, जयपुर
- नगर निगम ग्रेटर सामुदायिक भवन, सेक्टर-3, मालवीय नगर, जयपुर
- नगर निगम ग्रेटर सामुदायिक भवन, हनुमान नगर विस्तार, वैशाली नगर, जयपुर

जयपुर ग्रामीण में इन केन्द्रों पर आयोजित हो रहे हैं शिविर

केन्द्र स्थल शिविर आयोजन का स्थान-
- आमेर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लबाना
- बस्सी पंचायत समिति, बस्सी
- चाकसू बैठक भवन, पंचायत समिति, चाकसू
- गोवन्दिगढ़ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्याालय, चौमूं रेलवे स्टेशन
- जालसू राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रामपुरा डाबड़ी
- जमवारामगढ़ नया ग्राम पंचायत भवन, जमवारामगढ़
- झोटवाड़ा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कालवाड़
- जोबनेर एसकेएन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जोबनेर
- सांभर शहीद भगवान सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय, त्योद, सांभरलेक
- सांगानेर राजीव गांधी सेवा केन्द्र, मुहाना
- शाहपुरा राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, शाहपुरा

शिक्षा, स्वास्थ्य एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में नित नए नवाचार कर आमजन को लाभांवित कर रही सरकार : सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री

चमकता राजस्थान, जयपुर। शनिवार को अलवर जिलें में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री टीकाराम जूली ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में नित नए नवाचार कर आमजन को लाभांवित कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में बडे पैमाने पर कार्य कराए जा रहे हैं जो सरकार की विकास की मंशा को दर्शाते हैं। मंत्री जूली ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए प्रदेश में 19 नए जिलों के रूप में नागरिकों को विशेष सौगात दी है जिससे आमजन को स्थानीय स्तर पर ही शासन-प्रशासन की सुविधा एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कार्यक्रमों के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री भंवर जितेन्द्र सिंह भी उपस्थित रहे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री भंवर जितेन्द्र सिंह ने करीब 32 करोड रूपये की लागत राशि से एमआईए से खेडली सेयद, नंगली राजावत, निठारी, चौमू, बिलन्दी, श्यामगंगा, सताना बहाली मेगा हाईवे सडक का चौडाईकरण एवं सुदृढीकरण कार्य, अहीर का तिबारा से बडेर सड़क का नवीनीकरण कार्य, दल्ला की कोठी से मुण्डिया सड़क एवं बरखेडा से पावटा सडक निर्माण कार्य का शिलान्यास/लोकार्पण किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री टीकाराम जूली एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री भंवर जितेन्द्र सिंह ने शनिवार को जयकृष्ण कल्ब के मुख्य द्वार से फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स- सही भोजन, बेहतरीन जीवन की थीम पर 52 लाख रूपये की लागत से संचालित मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। जूली ने बताया कि महिला सशक्तिकरण को बढावा देने एवं प्रदेश की महिलाओं को डिजीटल तकनीक से जोडने हेतु राज्य सरकार द्वारा इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना चलाई जा रही है जिसके तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को नि:शुल्क मोबाइल फोन व तीन साल तक रिचार्ज राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जा रहा हैं। जिसकी मदद से कई प्रकार की सेवाओं का लाभ लिया जा सकेगा तथा साथ ही राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी उपलब्ध होगी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि जनसहयोग से सरकारी विद्यालयों में विभिन्न नवाचार कर स्कूलों की दशा व दिशा बदली गई हैं, जिससे ना केवल सरकारी विद्यालयों में नामांकन संख्या बढी है बल्कि अब लॉटरी के माध्यम से भी विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जा रहा है। कार्यक्रम में अलवर ग्रामीण क्षेत्रा की 8 स्कूल बालेटा, हल्दीना, भजेडा, बल्लाणा, खेडली सेयद, जटियाणा, साहोडी एवं इन्दरगढ सहित शिक्षाविदों, संस्थाओं का सम्मान किया गया एवं 205 बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई।

तेनालीराम की कहानी

विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय के दरबार में कलाकारों का बड़ा सम्मान था। उनके दरबार में संगीतकारों, गीतकारों, कवियों और नर्तकों का तांता लगा रहता था। वो सभी दरबार में अपनी-अपनी कला का प्रदर्शन करते थे और इसके बदले उन्हें पुरस्कार दिया जाता था। महाराज किसी भी कलाकार को कोई भी पुरस्कार या धन राशि देने से पहले तेनालीराम से सलाह जरूर मांगते थे। उन्हें यह पता था कि तेनालीराम बुद्धिमान तो हैं ही, साथ में उन्हें कला की भी अच्छी पहचान है।

तेनालीराम को मिलने वाले इस सम्मान से बाकी दरबारियों को जलन थी। दरबारी चाहते थे कि राजा तेनालीराम पर विश्वास करना बंद कर दें। एक बार तेनालीराम दरबार में न आ सके। उनकी गैर मौजूदगी का फायदा उठाते हुए दरबारियों ने राजा के कान भरने शुरू कर दिए। उन्होंने राजा से कहा, महाराज तेनालीराम बहुत बेईमान आदमी है। जिस भी कलाकार को उसे पुरस्कार दिलाना होता है, वो उससे पहले रिश्वत ले लेता है। इसलिए, आप उससे इस विषय में सलाह लेना बंद कर दीजिए। चार-पांच दिन तक तेनालीराम दरबार में नहीं आए, तो दरबारियों ने फिर वही बात राजा से कही। सभी दरबारियों के बार-बार कहने पर राजा को भी तेनालीराम पर शक हो गया। जब कुछ दिनों बाद तेनालीराम दरबार में उपस्थित हुए, तो उन्हें महाराज कुछ उखड़े-उखड़े दिखाई दिए। तेनालीराम ने देखा कि अब महाराज ने किसी को पुरस्कार देने से पहले उससे सलाह लेना बंद कर दिया है। यह देखकर तेनालीराम बहुत उदास हो गए। फिर एक दिन राजा के दरबार में एक गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता खत्म होते ही तेनालीराम बोले, ‍卐एक गायक के अलावा सबको इनाम मिलना चाहिए卐, लेकिन राजा ने तेनालीराम की बात टाल दी और बिल्कुल उल्टा व्यवहार किया। उन्होंने उस एक गायक को इनाम देकर बाकी सबको खाली हाथ लौटा दिया। तेनालीराम के लिए ये बहुत अपमानजनक बात थी। सभी दरबारी तेनालीराम का यह अपमान देखकर बहुत खुश हुए। कुछ दिनों बाद दरबार में एक बहुत ही सुरीला गायक अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए आया। राजा की आज्ञा पाकर उसने गाना शुरू किया। उसकी आवाज और सुर-ताल बहुत मधुर थे।

उस दिन उसने दरबार में एक से बढ़कर एक गीत गाए और पूरी राजसभा को भाव विभोर कर दिया। जब उसका गायन समाप्त हुआ, तो तेनालीराम उस गायक से बोले, तुम्हारी आवाज बहुत मीठी है और मैंने ऐसे गीत अपने जीवन में कभी नहीं सुने। इस प्रतिभा के लिए तुम्हें 15 हजार स्वर्ण मुद्राएं जरूर मिलनी चाहिए। तेनालीराम की बात सुनकर महाराज बोले, तुम्हारी कला वाकई में लाजवाब है, लेकिन हमारे राजकोष में किसी गायक के लिए इतना धन नहीं है, इसलिए अब तुम जा सकते हो। राजा की बात सुनकर गायक बहुत निराश हो गया और अपने वाद्य यंत्र समेटकर जाने लगा। तेनालीराम को उस प्रतिभावान गायक की दशा पर बहुत तरस आया। उन्होंने भरे दरबार में उस गायक को एक पोटली दे दी। यह देखकर दरबारी विरोध करने लगे। सभी एक स्वर में बोले कि जब राजा ने गायक को कुछ नहीं दिया, तो तेनालीराम कौन होता है खैरात बांटने वाला? राजा को भी तेनालीराम कि इस हरकत पर बहुत गुस्सा आया। उन्होंने सेवकों को आदेश दिया कि गायक से वो पोटली छीनकर मेरे पास लाओ। सेवक पोटली लेकर राजा के पास आए। राजा ने उस पोटली को खोला, तो उसमें मिट्टी का एक बर्तन था।

मिट्टी का बर्तन देखकर राजा ने तेनालीराम से सवाल किया कि ये बर्तन तुम गायक को क्यों देना चाहते हो। तेनालीराम बोले, महाराज, बेचारा यह गायक इनाम तो हासिल नहीं कर पाया, लेकिन कम से कम इस दरबार से खाली हाथ तो नहीं जाएगा। इस मिट्टी के बर्तन में वो तारीफ और वाहवाही भरकर ले जाएगा। तेनालीराम के मुंह से यह जवाब सुनकर राजा को उसकी दरियादिली और सच्चाई का ज्ञान हुआ। उनका गुस्सा गायब हो गया और राजा ने गायक को 15 हजार स्वर्ण मुद्राएं इनाम में दे दीं। इस तरह तेनालीराम ने अपनी सूझबूझ और ईमानदारी के बल पर राजा का विश्वास दोबारा हासिल कर लिया। वहीं, तेनालीराम के विरोधी छोटा-सा मुंह लेकर खड़े देखते रहे।

कहानी से सीखः इस कहानी से हमें यही शिक्षा मिलती है कि सच की हमेशा जीत होती है और उसे अंत में सम्मान भी मिलता है।

बच्चों के लिए मजेदार हिंदी टंग ट्विस्टर

आपने अमिताभ बच्चन को एक फिल्म में ‘कच्चा पापड़ पक्का पापड़, पक्का पापड़ कच्चा पापड़’ बोलते हुए देखा होगा और ऐसा बोलने की कोशिश भी की होगी। इसे लगातार बोलते हुए जबान का लड़खड़ाना लाजमी है और हो भी क्यों ना, आखिर इन्हें टंग ट्विस्टर ऐसे ही नहीं कहा जाता। यह मजेदार होने के साथ ही दिमाग और जुबान को तेज करने वाली एक कारगर एक्टिविटी है।

बच्चों के लिए टंग ट्विस्टर के फायदे तो आपने जान ही लिए, अब यहां जानिए बच्चों के अभ्यास के लिए हिंदी और अंग्रेजी भाषा के कुछ मजेदार टंग ट्विस्टर्स।

1. पके पेड़ पर पका पपीता, पका पेड़ या पका पपीता,
पके पेड़ को पकडे पिंकू, पिंकू पकड़े पका पपीता।
2. जो हंसेगा वो फंसेगा, जो फंसेगा वो हंसेगा।
3. चार कचरी कच्चे चाचा, चार कचरी पक्के।
पक्की कचरी कच्चे चाचा, कच्ची कचरी पक्के।
4. खड़गसिंह के खड़कने से खड़कती हैं खिड़कियां,
खिड़कियों के खड़कने से खड़कता है खड़गसिंह।
5. काला कबूतर, सफेद तरबूज,
काला तरबूज, सफेद कबूतर।
6. स्लिट द शीट, द शीट आई स्लिट, एंड ऑन द स्लिट शीट आई सीट।
7. शी सेल्स सीशेल्स बाय द सीशोर।
8. हाउ केन ए क्लैम क्रैम इन ए क्लीन क्रीम केन?
9. आइ सॉ सुसी सिटिंग इन ए शू शाइन शॉप।
10. फजी वजी वाज ए बीयर, फजी वजी हैड नो हेयर,
फजी वजी वाज नॉट फजी, वाज ही?
11. कुछ ऊंट ऊंचा, कुछ पीठ ऊंची, कुछ ऊंची ऊंट की पीठ।
12. पीतल के पतीले में, पका पपीता पीला पीला।
13. लाली बोली लल्लू से, लल्लन लाया था लालू की शादी पे, लाल लाल लिफाफे में लड्डू।
14. समझ समझ के समझ को समझो, समझ समझना भी एक समझ है, समझ समझ के जो न समझे, मेरी समझ मे वो न समझ है।
15. तुला राम ताला तोड़ के तेल में तुल गया, तुला हुआ तोला तले के तले हुए तेल में तल गया।
17. आई सॉ ए किटन ईटिंग चिकन इन द किचन।
18. निअर एन इअर, ए निअरर इअर, ए नियरली ईरी इअर।
19. एडी एडिटेड इट
20. ए बिग ब्लैक बियर सैट ऑन ए बिग ब्लैक रग।

बच्चों के लिए टेस्टी चाइनीज रेसिपी

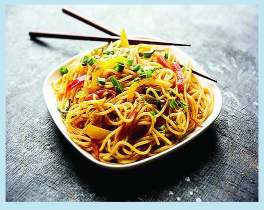

इसमें कोई शक नहीं है कि बच्चों को बाजार का खाना सबसे ज्यादा पसंद होता है। खासकर, नूडल्स, फ्राइड राइस व चाइनीज फूड तो उनकी जान होते हैं। ऐसे में मां हमेशा सोच में पड़ जाती है कि ऐसा क्या दें, जो पौष्टिक और स्वादिष्ट दोनों हो। बार-बार बाहर का खाना भी सही नहीं है।

1. वेजिटेबल नूडल्स

सामग्री

एक कप हरी, पीली और लाल शिमला मिर्च (पतले-लंबे आकार में कटी हुई)

एक कप पतागोभी बारीक कटी हुई

दो बड़े प्याज लंबे आकार में कटे हुए

एक गाजर बारीक कटी हुई

आधा कप फ्रेंच बीन्स बारीक कटी हुई

एक या दो पैकेट नूडल्स

सोया सॉस एक या दो चम्मच

टोमेटो सॉस स्वादानुसार

चिली सॉस (वैकल्पिक)

नमक स्वादानुसार

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े पतीले में आवश्यकतानुसार नूडल्स उबाल लें।

नूडल्स उबलते वक्त उसमें थोड़ा रिफाइंड ऑयल डाल दें, ताकि नूडल्स चिपके न।

नूडल्स के उबलने बाद उसे किसी बर्तन में ठंडा होने के लिए रख दें और हो सके तो थोड़ा और रिफाइंड ऑयल उसमें मिला लें।

अब कड़ाही में आवश्यकतानुसार तेल डालकर गर्म कर लें।

जब तेल थोड़ा गर्म हो जाए, तब उसमें कटे हुए प्याज डालें और थोड़ी देर तल लें।

अब उसमें शिमला मिर्च, पत्तागोभी, गाजर व फ्रेंच बीन्स को डालकर थोड़ी देर चलाएं।

उसके बाद इस मिश्रण में स्वादानुसार नमक, सोया और टोमेटो सॉस डालकर हल्का फ्राई करें।

अब इसमें उबले हुए नूडल्स डालकर अच्छे से मिला लें।

तैयार है आपके नन्हे के लिए स्वादिष्ट और पौष्टिक सब्जियों से भरा वेज नूडल्स।

बच्चों के लिए भारत के बारे में रोचक तथ्य

भौगोलिक तथ्य

भारत की भौगोलिक स्थिति अन्य देशों की तुलना में काफी अच्छी है। यहीं नहीं भारत के भौगोलिक से जुड़े कई रोचक तथ्य भी हैं, जिनमें ये शामिल हैं-

भारत एशिया महाद्वीप का हिस्सा है। हमारे देश की सीमाएं 7 देशों के साथ लगती हैं, जिनमें पाकिस्तान, नेपाल, चीन, बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार (बर्मा) और श्रीलंका शामिल है।

भारत में एक माह में अलग-अलग स्थानों पर गर्मी, ठंड, बारिश और सामान्य मौसम का अनुभव किया जा सकता है।

पूरी दुनिया में क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सातवां स्थान है। यह 32,87,590 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है।

हमारे देश के मध्य भाग से कर्क रेखा गुजरती है। कर्क रेखा को पृथ्वी की उत्तरतम अक्षांश रेखा भी कहा जाता हैं। यह रेखा जिस देश से गुजरती है, वहां दोपहर के वक्त सूर्य ऊपर की ओर होता है।

2011 में हुई जनगणना के अनुसार भारत में 1.2 बिलियन (अरब) की आबादी है, जो इसे दुनिया का दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बनाती है।

भारत के मेघालय राज्य में स्थिति मौसिनराम में सबसे अधिक बारिश होती है। यहां औसतन प्रति वर्ष 11,871 मिलीमीटर बारिश होती है।

चिल्का झील भारत की सबसे बड़ी झील है, जो 1,165 किमी की क्षेत्रफल में फैली है।

कंचनजंगा भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटी है, जिसकी ऊंचाई समुद्र तट से लगभग 8586 मीटर है।

गंगा भारत की सबसे लंबी नदी है, जो 2525 किमी तक बहती है।

लद्दाख के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित कारगिल जिले के द्रास नामक जगह को भारत का सबसे ठंडा क्षेत्र माना गया है। यहां तापमान -45ए सेंटीग्रेट तक गिर जाता है।

भारत का सबसे निचला स्थान कुट्टनाड है। यह समुद्री तट से करीब 2.7 मीटर की ऊंचाई पर है।

भारत में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा राज्य गोवा (क्षेत्रफल 3,702 किमी) और सबसे बड़ा राज्य राजस्थान (क्षेत्रफल 342,239 किमी) है।

राजस्थान के उत्तरी भाग में स्थित चुरू नामक स्थान भारत की सबसे गर्म जगह है। यहां गर्मियों के मौसम में 50 डिग्री सेल्सियस तक तापमान पहुंच जाता है।

भारत का सुंदरवन दुनिया जा सबसे बड़ा डेल्टा है, जो 10,200 वर्ग किमी तक फैला है।

भारत का दक्षिण भाग दोनों तरफ से समुंदर से घिरा है। एक तरफ अरब सागर है और दूसरी तरफ बंगाल की खाड़ी है।

आइए, अब भारत के सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ी कुछ अनोखी बातों के बारे में जानते हैं।

सांस्कृतिक तथ्य

भारत के लोग दुनिया में कहीं भी रहे, अपनी संस्कृति को कभी नहीं भूलते। यहीं नहीं कई विदेशी भी भारतीय संस्कृति से प्रभावित होकर इसके रंग में ढल चुके हैं। इसी संस्कृति से जुड़े कुछ अहम तथ्य इस तरह से हैं-

भारत की संस्कृति को करीब 4,500 वर्ष पुराना माना गया है। इसलिए, इसे दुनिया की सबसे पुरानी संस्कृतियों में गिना जाता है।

दुनिया के कुछ लोकप्रिय धर्मों का जन्म भारत में ही हुआ है, जिनमें हिंदू, बौद्ध, सिख और जैन धर्म शामिल हैं।

भारत की 79 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या हिंदू है।

हमारे देश के हर राज्य की अपनी बोली है। इनमें से 22 भाषाओं को भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल किया गया है।

विश्व के 7 अजूबों में से एक भारत का ताजमहल भी है, जो उत्तर प्रदेश के आगरा शहर में स्थित है।

तमिलनाडु में स्थित श्री रंगनाथस्वामी मंदिर भारत का सबसे बड़ा मंदिर है। यह 156 एकड़ में फैला हुआ है।

भारत में कई देशों की संस्कृतियों का समागम हुआ है, जिनमें पुर्तगाली, मुगल, फ्रांसीसी और ब्रिटिश संस्कृति शामिल है।

भारत के हर राज्य में उनके लोक संगीत और नृत्य है, जिसका पालन वो सदियों से कर रहे हैं। इनमें भरतनाट्यम, कत्थक, कुचिपुड़ी, कथकली, मणिपुरी और ओडिसी जैसे नृत्य शामिल हैं।

हमारे देश के अलग-अलग राज्यों का पहनावा व वेशभूषा अलग-अलग है।

भारत का कुंभ मेला दुनिया का सबसे बड़ा मेला है। इस मेले में 10 करोड़ से भी अधिक लोग आते हैं।

वाराणसी, उज्जैन, हरिद्वार और प्रयागराज भारत के सबसे पुराने धार्मिक स्थलों में से एक हैं।

हिंदू धर्म के अनुयायी द्वारा चारधाम की यात्रा के बारे में हर किसी ने सुना ही होगा। ये चारधाम केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री हैं।

पंजाब के अमृतसर शहर में स्थित गोल्डन टेम्पल (स्वर्ण मंदिर) में सबसे ज्यादा धार्मिक यात्री आती हैं।

भारत दुनिया का सबसे ज्यादा मस्जिद वाला देश है। यहां 3 लाख से भी अधिक मस्जिद हैं।

भारत में मुख्य रूप से हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध, पारसी और कुछ अन्य धर्म के लोग रहते हैं। यहां सभी धर्म के लोगों को बराबर का अधिकार दिया गया है।

तो चलिए, अब भारत के ऐतिहासिक तथ्यों पर एक नजर डालते हैं।

ऐतिहासिक तथ्य

भारत में कई ऐसी ऐतिहासिक घटनाएं घटित हुई हैं, जिसके बारे में जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे। उन्हीं ऐतिहासिक तथ्यों के बारे में हम यहां बता रहे हैं-

हरियाणा के पानीपत में तीन ऐतिहासिक युद्ध हुए हैं। पहला युद्ध 1526 में हुआ था, जिसमें बाबर ने इब्राहिम लोदी को हराया था। दूसरा युद्ध 1556 में सम्राट हेम चंद्र विक्रमादित्य और अकबर की सेना के बीच हुई थी, जिसमें अकबर की सेना विजय हुई थी। तीसरा युद्ध 1761 में लड़ा गया था, जिसमें अहमदशाह अब्दाली ने मराठों को पराजय किया था।

भारत में पहले बार आजादी का बिगुल सन 1857 को बजा। इसकी शुरुआत मंगल पांडे द्वारा की गई थी।

हल्दीघाटी का प्रसिद्ध युद्ध 18 जून 1576 को मुगल बादशाह अकबर और महाराणा प्रताप के बीच लड़ा गया था।

भारत में अंग्रेज पहली बार 24 अगस्त 1608 को व्यापार के उद्देश्य से आए थे और फिर धीरे-धीरे पूरे भारत को गुलाम बना लिया।

दुनिया को जितने निकला सिकंदर अपने सेना के साथ भारत पहुंचने के बाद भी बिना विजय के वापस लौट गया। ऐसा कहा जाता है कि सिकंदर और उसकी सेना मगध के नंद साम्राज्य की शक्तिशाली सेना से डर गई थी।

भारत की रानी लक्ष्मी बाई दुनिया की महान महिला शासकों में से एक थी।

भारत में विकास का दौर 8 हजार वर्ष पहले सिंधु घाटी की सभ्यता के साथ शुरू हो गया था।

दुनिया का पहला विश्वविद्यालय भारत में शुरू हुआ, जिसे तक्षशिला विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता था। इसे तकरीबन 700 ईसा पूर्व स्थापित किया गया था।

दुनिया के सबसे प्राचीन और बड़े नगरों में से एक पाटलिपुत्र भारत में ही था। प्राचीन काल में यह मगध राज्य की राजधानी हुआ करती थी।

भारत ने सदियों पहले से ही गणित के क्षेत्र में कई योगदान दिए हैं। वहीं, कई गणित से जुड़ी शाखाओं की खोज भारत में हुई। इसमें बीजगणित (अल्जेब्रा), त्रिकोणमिति (ट्रिगोनोमेट्री) और कलन (कैलकुलस) शामिल है।

शून्य (जीरो) का आविष्कार करने वाले आर्यभट्ट भारत के थे। इसके अलावा, दशमलव प्रणाली की शुरुआत भी भारत में ही हुई थी।

भारत के चाणक्य को दुनिया के महान राजनीतिज्ञों में से एक माना जाता है। उनका लिखा अर्थशास्त्र व कूटनीति शास्त्र आज भी प्रासंगिक माना गया है।

हमारे देश के महान विद्वान व गणितज्ञ बौधायन ने सबसे पहले पाई के मूल्य की गणना की थी।

आयुर्वेद विश्व की सबसे पुरानी चिकित्सा पद्धति है, जिसकी शुरुआत भारत में हुई थी। ऐसा माना जाता है कि महर्षि चरक ने 2500 वर्ष पहले आयुर्वेद की रचना की थी।

भारत की ओर से चांद पर कदम रखने वाले पहले भारतीय राकेश शर्मा थे। वह 3 अप्रैल 1984 को चांद पर पहुंचे थे।

इस लेख के अगले भाग में हम भारत में पाए जाने वाले प्राणियों से संबंधित तथ्य दे रहे हैं।

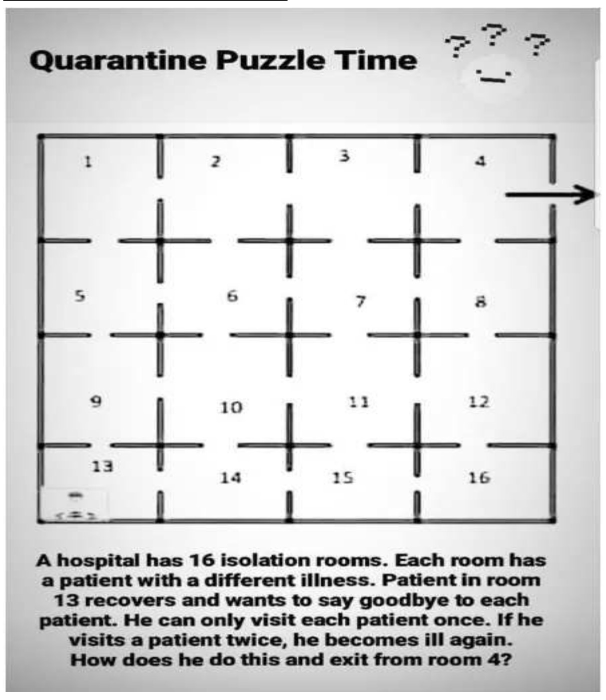

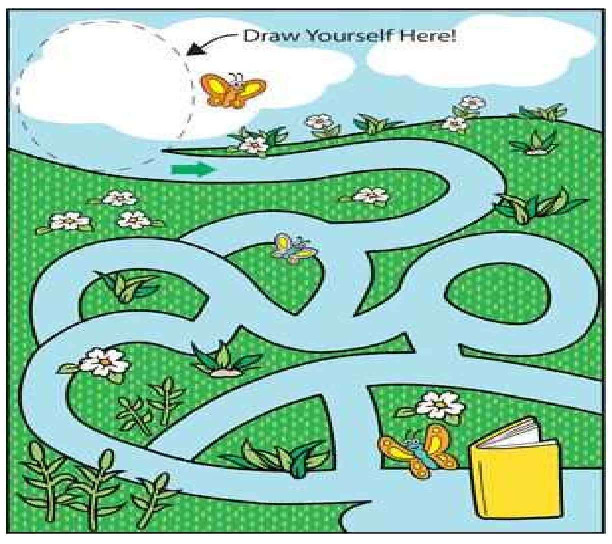

चित्र में रंग भरो

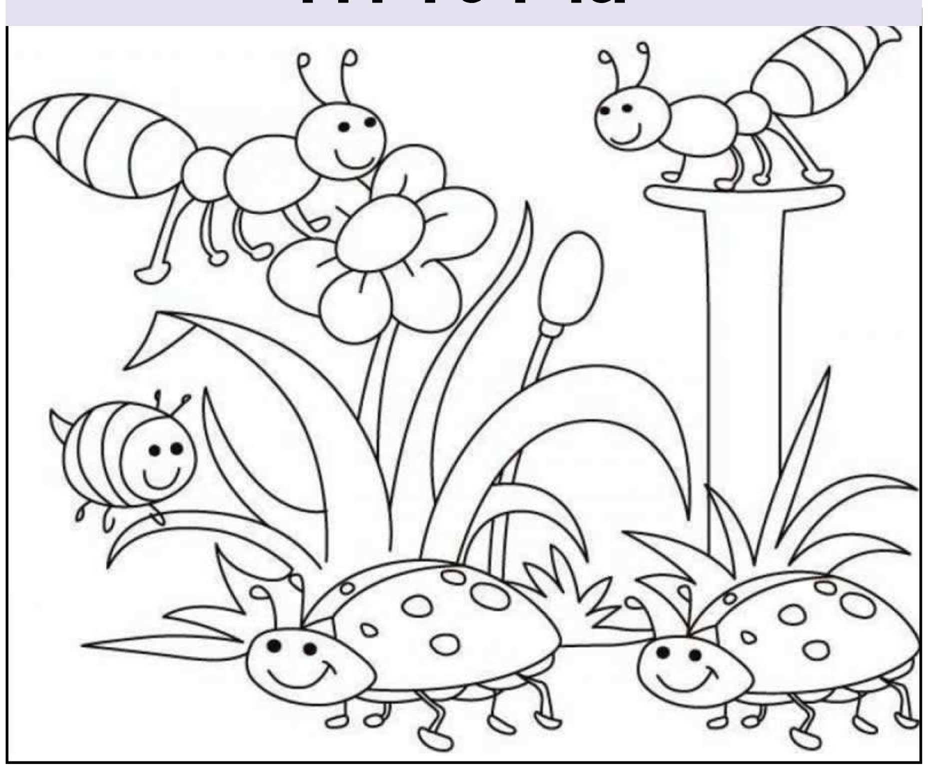

बंद पड़े विद्यालय को शुरु करवानें एवं प्राथमिक विद्यालय को क्रमोन्नत करनें की मांग

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

ग्राम पंचायत श्री सुरपुरा में बंद हो चुके राजकीय प्राथमिक विद्यालय गोगाटुकी को पुन: शुरु करनें एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय देवलगढ़ को उच्च प्राथमिक में क्रमोन्नत करवानें की मांग की गई है। इसे लेकर राज्य के मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री व सीबीईओ बाप को पत्र प्रेषित किया गया है। गौरव सैनिक हजारीराम पूनिया नें बताया की पूर्व में संचालित राजकीय विद्यालय गोगाटुकी को अन्य विद्यालय में समाहित करके बंद कर दिया गया, जबकि गोगाटुकी में करीब 30 से ज्यादा परिवार रहवास करते हैं। इन घरों के छोटे बच्चे आस-पास विद्यालय नहीं होनें से शिक्षा ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं। इन घरों के तीन किलो मीटर के दायरे में कोई विद्यालय नहीं होनें से बच्चे शिक्षा के अधिकार से वंचित रह रहे हैं तथा अभिभावक चिंतित हैं। वहीं देवलगढ़ में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय क्रमोन्नत नहीं होनें से भी बच्चों की शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। राजकीय प्राथमिक विद्यालय देवलगढ़ में तकरीबन 40 से ज्यादा छात्रों का नामांकन है। आस पास 80 से ज्यादा ज्यादा सिंधलों, बिश्नोई, तथा सुथारों की ढाणी है। पांचवीं कक्षा की पढ़ाई उत्तीर्ण करनें के बाद छात्रों को परेशानी होती है। ठाकुर कानसिंह भाटी, भंवरसिंह, लक्ष्मण सिंह चौहान, गोविंद सिंह भाटी, भगवाना राम सुथार, पुंजराज सिंह, मनोहर सिंह आदि ने पत्र भेजा है।

हमीर नाडा की खुदाई हुई प्रारंभ

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

बाप क्षेत्र की ग्राम पंचायत कानसिंह की सिडा के राजस्व गांव हमीरगढ़ में रविवार से हमीर नाडा की खुदाई प्रारंभ की गई। कानसिंह की सिडा सरपंच विमल कंवर भाटी व भाजपा जांबा मंडल महामंत्री कृष्णपाल सिंह भाटी ने बताया कि आमजन के सहयोग से हमीर नाडा की खुदाई प्रारंभ करवाई गई है। जेसीबी व ट्रैक्टरों से खुदाई का कार्य शुरू किया गया है। हमीर नाडा की खुदाई पूर्ण होने के बाद हमीरगढ़, मूलओ की ढाणी, सांखालों की ढाणी, प्रेमजिरो की ढाणी के लोगो को इसका काफी लाभ मिलेगा। इस मौके सरपंच भाटी ने कहा कि प्राचीन जल स्रोत हमारी सामलाती संपत्ति है। हम सभी का यह दायित्व है कि हम प्राचीन जल स्रोतों का रखरखाव करें। वर्षा जल का संरक्षण बहुत ही जरूरी है। ऐसे में हम सभी को इस पुनीत कार्य में बढ़ चढ़कर सहयोग करना चाहिए।

इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना का हुआ शुभारंभ, मोबाइल पाकर खिले चेहरे

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण ब्यूरो चीफ) जिला धौलपुर के बाड़ी उपखंड में राज्य सरकार के आदेशानुसार जिला कलेक्टर अनिल कुमार अग्रवाल एवं उपखंड अधिकारी गिरधर सिंह मीणा के निर्देशानुसार अधिशाषी अधिकारी रामजीत सिंह के निर्देशन में इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना का वितरण बाड़ी विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा के मुख्यातिथि में पंचायत समिति सभागार बाड़ी में शिविर लगाकर लाभार्थियों को नि:शुल्क स्मार्ट फोन का वितरण किया गया जिसमें बाड़ी विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट घोषणा में इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना के तहत प्रथम चरण में 40 लाख महिलाओं को फ्री मोबाइल वितरित किया जा रहा है जिसमें ग्रामीण नरेगा में 100 दिन व शहरी नरेगा में 50 दिन की उपस्थिति एवं स्कूल कालेज की छात्राओं व विधवा महिलाओं को पहले चरण में मोबाइल वितरण किया जाएगा जिला कलेक्टर अनिल कुमार अग्रवाल ने बताया कि छात्राओं के लिए आनलाइन पढ़ाई के बहुत ही उपयोगी साबित होगा इस दौरान बाड़ी विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा, जिला कलेक्टर अनिल कुमार अग्रवाल, उपखंड अधिकारी गिरधर सिंह मीणा, तहसीलदार परसोत्तम लाल, अधिशाषी अधिकारी रामजीत सिंह, चेयरमैन कमलेश देवी, बाड़ी सीओ महेन्द्र सिंह,पीआरओ राजकुमार मीणा, एसीपी लोकेश शाक्यवाल, बाड़ी प्रोग्रामर उमेश शर्मा, द्ध राजेश वर्मा,अविता मीणा,डीईओ तपेश बिधूड़ी, अमित कुमार शुक्ला, सामुदायिक संगठक जोगेन्दर मीणा,धीरज कुमार बंसल,पार्षद ओमवीर सिंह चौधरी, राजकुमार भारद्वाज, जसवंत सिंह कुशवाहा, महाराज सिंह,लाखन सिंह यादव,राजवीर सिंह, सुदामा कंसल, रोहित मंगल, मुकेश कोली, सुरजीत गुर्जर,अमित मंगल,हरी पहाड़ियां सहित समस्त पार्षद एवं कार्मिक सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं पत्रकार बंधु मौजूद रहे।

आमजन के सुने अभाव अभियोग

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

यूथ कांग्रेस नेता फारूक अब्दुल्ला धिराज रविवार को फलोदी विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहे। धिराज ने ग्राम पंचायत जुनेजो की ढाणी, मलार, रिन क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान आमजन के अभाव अभियोग सुने। धिराज ने कांग्रेस सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जरूरतमंद परिवारों को दी।

पौधरोपण कर मनाया जन्मदिन

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

बाप क्षेत्र के बधाउड़ा गांव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में एसएमसी अध्यक्ष कुलदीप चारण के जन्मदिन पर पौधरोपण किया गया।विद्यालय परिसर की साफ़ सफ़ाई कर पौधारोपण किया गया। सभी ग्राम वासियो को स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस मौके कुलदीप चारण, भवानी चारण, नरपत चारण, रविशंकर बधाउड़ा, वार्डपंच घनश्यामराम, मालाराम आदि उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 'मां तुझे सलाम' कार्यक्रम आज

कोटा। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सोमवार को %माँ तुझे सलाम% कार्यक्रम के तहत पीसीसी सचिव शिवकांत नन्दवाना के नेतृत्व में महावीर नगर चौराहे से भव्य वाहन रैली निकाली जाएगी। शिवकांत नन्दवाना ने बताया कि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, आमजन शाम 5 बजे महावीर नगर चौराहे पर एकत्रित होंगे। स्वायत्त शासन मंत्री शांति कुमार धारीवाल के हरी झण्डी दिखाने के बाद रैली रवाना होगी। जहां से मीरा मार्केट, संतोषी नगर, सब्जीमंडी, तीन बत्ती चौराहा, बसंत विहार, छोटा चौराहा से होते हुए दादाबाड़ी चौराहे पर पहुंचकर विसर्जित होगी। यहां पर रैली जनसभा में बदल जाएगी। सभा को मंत्री शांति कुमार धारीवाल समेत शहर के प्रबुद्धजनों के द्वारा संबोधित किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर स्वतंत्रता दिवस के स्वागत में आतिशबाजी की जाएगी तथा स्वागत द्वार सजाए जांएगे। वहीं मशक बैंड के साथ ही मधुर स्वर लहरियां बिखेरते हुए अन्य बैण्ड भी रहेंगे। मंदसौर और उज्जैन से भी विशेष बैंड बुलाए गए हैं। रैली में भारत माता और महात्मा गांधी समेत अनेक महापुरूषों की झांकियां चलेंगी। महापुरूषों के चित्रों से सजा रथ भी साथ रहेगा।

कच्ची घोड़ी करते लोक कलाकार साथ चलेंगे। कार्यकर्ताओं के हाथों में तिरंगे झण्डे रहेंगे। वाहन रैली में समाज के सभी वर्गों को आमंत्रित किया गया है।

विधानसभा क्षेत्र बाड़ी के सैंपऊ शहर में नहीं सहेगा राजस्थान अभियान के विधानसभा संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला संयोजक - विष्णु सिंघल

चमकता राजस्थान, धौलपुर (रामदास तरुण ब्यूरो चीफ) जिले के सैपऊ उपखण्ड में आजादी के 77 वें अमृत महोत्सव के अवसर पर 151 फुट लंबी तिरंगा यात्रा बिष्णु सिंघल सनौरा वालों के नेतृत्व में काका मैरिज गार्डन से तिवारी मैरिज गार्डन तक निकाली गई। जिसमें विधानसभा विस्तारक गिरधारी सिंह चौधरी सैंपऊ मंडल अध्यक्ष रामविलास बघेल ,बसई नवाब मंडल अध्यक्ष विजेंद्र लोधा, महामंत्री के जी तिवारी, युवा मोर्चा कंचनपुर मंडल अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह परमार , प्रशांत सिंह परमार ,रमेश कुशवाहा ,पूरन सिंह प्रधान, संतोष पंडित ,राम सिंह कुशवाह, रामचरण कुशवाह, छात्र संघ अध्यक्ष नितेश कुशवाह, अर्जुन सिंह ,टोनी शर्मा, रामकुमार शर्मा ,पदम कुशवाह ,गुड्डू कुशवाह, हाकिम लोधा, विद्याराम मीणा, रवि गुर्जर ,समीर कुरेशी ,नीलेश भारद्वाज, भंवर मीणा ,अंकित चसोरिया, राम सिंह कुशवाह, टोनी जगरिया, अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष शिव कुमार गर्ग, सुनील मोदी,निशांत मंगल, रामकृष्ण कुशवाह, पदम कुशवाह, मानसिंह परमार, विजय सिंह परमार, अजय पहाड़िया, सुनील कोली, संदीप लोधा, रामकुमार शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं नागरिक बंधु उपस्थित रहे।

बसेड़ी विधानसभा संभावित प्रत्याशी होतम सिंह जाटव ने गडरपुरा सपेरा बस्ती में महिलाओं को बांटी साड़ी ,बच्चे शिक्षित होंगे तो रोजगार के अवसर भी मिलेंगे- होतम सिंह जाटव

धौलपुर (रामदास तरुण ब्यूरो चीफ) बसेड़ी विधानसभा संभावित प्रत्याशी होतम सिंह जाटव ने रविवार को क्षेत्र के गडरपुरा के पास स्थित सपेरा बस्ती में पहुंचकर वितरित की महिलाओ को साड़ियाँ एवं सपेरा बस्ती में जीवन यापन कर रहे गरीब लोगों से किया सम्पर्क और उनके रहने के लिए जगह हेतु पट्टे दिलवाने का आश्वासन दिया। साथ ही बच्चो को नजदीकी विद्यालय में पढ़ाने लिखाने पर जोर दिया ,जिससे उनको रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। विधानसभा क्षेत्र से संभावित प्रत्याशी होने के नाते भविष्य में जो सहायता उनके लिए बनेगी उसके लिए भी अश्वासन दिया गया साथ ही खाने के लिए कुछ सामग्री भी वितरित की गई इस दौरान बसेड़ी विधानसभा संभावित प्रत्याशी होतम सिंह जाटव, वरिष्ठ पार्षद ओमवीर सिंह चौधरी, रूकमपाल सिंह जादौन,मुकेश कोली, सुरजीत गुर्जर,रामदास तरूण,शुभम भारद्वाज, हुकुम सिंह सहित समस्त सपेरा बस्ती के लोग एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहें।

काजी प्रीमियम लीग का फाइनल मुकाबले में मास्टर ट्रैवल रोलसाहबसर की रोमांचक जीत

चमकता राजस्थान

सीकर (शादाब सिद्दीकी)। स्थानीय फतेहपुर रोड पर स्थित खेल मैदान में चल रही काजी प्रीमियम लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में मास्टर ट्रेवल रोलसाहबसर ने शानदार जीत दर्ज की। जिला मुख्यालय की फतेहपुर रोड पर स्थित खेल मैदान में गत 4 अगस्त से चल रही काजी प्रीमियम लीग में काजी समाज की 34 क्रिकेट टीमें भाग ले रही थी। आज सुजानगढ़ दी फायर और मास्टर ट्रेवल रोलसाहबसर टीमो के बीच फाइनल मुलाबला हुआ जहां सुजानगढ़ दी फायर टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। दस ओवरों की इस टूर्नामेंट में सुजानगढ़ दी फायर टीम 71 रन बनाकर आल आउट हो गयी। जवाब में मास्टर ट्रेवल्स रोलसाहबसर ने रोमांचक तरीके से चेस करते हुवे आठ विकेट खोकर अंतिम ओवर की चार बॉल शेष रहते 72 रन बनाकर 2 विकेट से रोमांचक जीत हासिल कर टूर्नामेंट ट्रॉफी अपने नाम करली। इस मौके पर प्रदेश यूथ कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव और टूर्नामेंट के संयोजक आसिफ भाटी ने अपने हाथों से विजेता टीम के कोच कादिर रोल साहबसर वह कप्तान अबूबकर को ट्रॉफी प्रदान की और सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। आयोजनकर्ता अब्दुल हलीम, कादिर खत्री, अब्दुल मोहिद, समीर खत्री, समीर जाजोद व काजी समाज के गणमान्यजन मौजुद थे।

जुआरी, शराब सप्लाई करने वालों सहित वांछित अपराधियों को पकड़ा

धौलपुर (रामदास तरुण ब्यूरो चीफ) जिला धौलपुर के बाड़ी थाना क्षेत्र में वांछित अपराधियो एवं अवैध हथियार रखने वाले अवैध शराब सप्लाई करने वाले व जुआरी एवं सटटे की खाईवाई करने वालो की धरपकड हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के दौरान अति0 पुलिस अधीक्षक एडीएफ धौलपुर देवेन्द्र सिंह राजावत आरपीएस एवं वृताधिकारी वृत बाडी महेन्द्र कुमार मीना के निकटतम सुपरवीजन में लक्ष्मण सिंह पु0नि0 थानाधिकारी थाना बाड़ी के नेतृत्व में आज दिनांक 13.08.2023 को थाना हाजा से विभिन्न टीमें गठित कर निम्न कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान अवैध हथियार रखने वाले मुल्जिम लवकुश पुत्र कुंमरसेन जाति गुर्जर उम्र 20 साल निवासी इब्राहिमपुर थाना बाडी सदर जिला धौलपुर के कब्जे से एक अवैध देशी कटटा 315 बोर मय एक जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफतार कर मुकदमा नम्बर 337/2023 धारा। अवैध शराब की सप्लाई करने वाले मुल्जिम रफीक पुत्र हमीद खाँ उम्र 28 साल निवासी बसेडी रोड राना खाँ बाड़ी थाना बाडी के कब्जे से 58 देशी शराब के पउआ के साथ गिरफतार कर मुकदमा नम्बर 336 / 2023 धारा। अवैध शराब की सप्लाई करने वाले मुल्जिम गोपाल पुत्र हरिविलास जाति कुशवाह निवासी बड़ा बाग बाडी थाना बाड़ी, पुलिस पार्टी को देखकर अवैध देशी शराब के 51 देशी शराब के पउआ को छोड़कर फरार हो गया। जिसपर फरार मुल्जिम गोपाल के विरुद्ध मुकदमा नम्बर 339/2023 धारा। सटटे की खाईवाई करने वाले मुल्जिम शिवराम पुत्र वेदरिया जाति कुशवाह उम्र 48 साल निवासी अजीजपुरा गुमट बाड़ी को गिरफ्तार किया गया।बबलू पुत्र देव किशन जाति कोली, संजय पुत्र नारायण सिंह जाति कोली कब्जे से जुआ राशि 1040 रुपये, मुन्ना पुत्र मेहताब जाति मुसलमान, श्याम बाबू पुत्र छोटेलाल जाति कोली, गजाधर पुत्र बाबूलाल जाति कोली हरी मोहन पुत्र खिच्चूराम जाति कोली के कब्जे से जुआ राशि 1080 के साथ के साथ गिरफ्तार कर 341 /2023 धारा 13 आर पी जी ओ के तहत दर्ज किया गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवम 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली न.6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक: अभय सिंह चौहान,
मोबाइल: 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)